RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

युवा बड़े नाराज हैं, खाये बैठे खार।
क्या-क्या हैं शिकवे-गिले, जाकर पूछो यार।
जाकर पूछो यार, जरा मिलने तो जाओ।
वर्ना नेतागिरी, खत्म समझो नेताओ।
कह साहिल कविराय, इन्हें मत समझो छोटा।
वोट बैंक है मियां, यही तो सबसे मोटा।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 195 | W DATE 07-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

नीरज डांगी राज्यसभा में कांग्रेस संसदीय दल के सचेतक नियुक्त

नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त । कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राज्यसभा सदस्य नीरज डांगी को राज्यसभा में कांग्रेस संसदीय दल का सचेतक (व्हिप) नियुक्त किया है। कांग्रेस संसदीय दल ने गुरुवार को यहां एक बयान में यह जानकारी देते हुए बताया कि श्री डांगी को राज्यसभा में कांग्रेस संसदीय दल का सचेतक बनाया गया है।

राज्यसभा सदस्य रजनी अशोकराव पाटिल के सेवानिवृत्त होने से यह पद रिक्त हुआ है। कांग्रेस संसदीय दल के मुख्य सचेतक जयराम रमेश के अनुसार श्री डांगी की नियुक्ति राज्यसभा सदस्य श्रीमती रजनी अशोकराव पाटिल के सेवानिवृत्त होने से रिक्त हुए सचेतक के पद पर की गई है।

प्रतापगढ़ में बारिश से 100 साल पुराना मकान गिरा, 6 की मौत

लखनऊ, यूटर्न/ 06 अगस्त । उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित महुली वार्ड में बारिश के कारण करीब 100 वर्ष पुराना मकान अचानक ढह गया। इस हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मलबे में दबकर मौत हो गई, जबकि एक सदस्य गंभीर रूप से घायल है। दुर्घटना के समय परिवार के सभी सदस्य एक कमरे में सो रहे थे। मृतकों की पहचान नितिन श्रीवास्तव, माधव, रीता श्रीवास्तव, प्रमोद श्रीवास्तव, माधुरी और छह माह के बाबू के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अधिकारियों से हादसे की ताजा स्थिति की जानकारी ली और घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए।

जेपी नड्डा ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

इटानगर, यूटर्न/ 06 अगस्त । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित पूर्वोत्तर राज्यों का दौरा कर रहे हैं। इस क्रम में जेपी नड्डा ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश में आई बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया और जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि मैंने आज अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में मुख्यमंत्री पेमा खंडू भाजपा, उपमुख्यमंत्री चोवना मी भाजपा, मंत्रियों, विधायकों और राज्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

टेरिटोरियल आर्मी 'सिटीजन-सोल्जर' की सर्वोत्तम मिसाल : राजनाथ सिंह

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त ।**

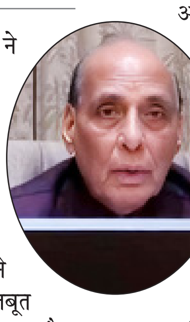

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में टेरिटोरियल आर्मी की भूमिका, जिम्मेदारियों और उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा हुई। समिति के सदस्यों ने टेरिटोरियल आर्मी को और मजबूत बनाने के लिए कई सुझाव भी दिए। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि सेना जहां देश की सुरक्षा करती है, वहीं टेरिटोरियल आर्मी पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कार्यों में भी बड़ी भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी 'नागरिक-सैनिक' की अवधारणा की जीवंत मिसाल है। इसके सदस्य सामान्य जीवन में अपने-अपने पेशे से जुड़े रहते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर वर्दी पहनकर देश की सीमाओं की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा का दायित्व निभाते हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी, सशस्त्र बलों के लिए प्रशिक्षित जवानों का ऐसा बड़ा समूह तैयार करती है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर तुरंत तैनात किया जा सकता है। सेवा पूरी करने के बाद ये जवान समाज में लौटकर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने बताया कि टेरिटोरियल आर्मी में लगभग 44,400 जवान हैं और इसकी 59 इकाइयां हैं।

आठ अगस्त को प्रयागराज में रहूंगा, प्रशासन का हरसंभव रोकने का प्रयास : राहुल गांधी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त ।**

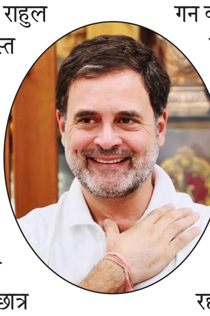

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि वह आठ अगस्त को प्रयागराज में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में शामिल होंगे लेकिन प्रशासन उनके दौरे को रोकने का हरसंभव प्रयास कर रहा है।

श्री गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र फीस वृद्धि और सीटों में कटौती के खिलाफ अपने भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन प्रशासन उनकी बात सुनने के बजाय उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की नीति युवाओं की आवाज दबाने की है।

उनका कहना था कि सवाल पूछने पर लाठी चलाई जाती है, विरोध करने पर मुकदमे दर्ज किए जाते हैं और आवाज उठाने पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया जाता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जबसे उन्होंने छात्रों की बात सुनने के लिए आठ अगस्त को प्रयागराज जाने का फैसला किया, तभी से प्रशासन उनके कार्यक्रम को हरसंभव और हर तरीके से रोकने का प्रयास कर रहा है। इससे साफ है कि सरकार छात्रों की गूंज से भी डर रही है। श्री गांधी ने कहा, 'मैं छात्रों के साथ हूं। सरकार चाहे जितनी भी कोशिश कर ले, मुझे छात्रों की आवाज उठाने से रोक नहीं सकती। आठ अगस्त को प्रयागराज में छात्रों के बीच रहूंगा और उनकी आवाज बुलंद करूंगा। गौरतलब है कि श्री गांधी ने 'छात्रों की गूंज' अभियान की शुरूआत राजस्थान के कोटा से की थी।

सरकारी स्कूलों में टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का नया दौर: रेखा गुप्ता

रेखा गुप्ता ने किया STEM इनोवेशन लैब का उद्घाटन

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में STEM लैब की शुरुआत, भविष्य के इनोवेटर होंगे तैयार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त ।**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को पीतमपुरा स्थित सर्वोदय विद्यालय में साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथमेटिक्स इनोवेशन लैब का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और नवाचार आधारित शिक्षा के जरिए विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दौर में साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमेटिक्स केवल पढ़ाई के विषय नहीं हैं, बल्कि भविष्य की अर्थव्यवस्था और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय उन्हें प्रयोग आधारित शिक्षा, रचनात्मक सोच और समस्या समाधान की क्षमता से सशक्त बनाना आवश्यक है।

कार्यक्रम में भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन, दा वन ग्रुप के प्रतिनिधि, एचएमडी इंडिया के अधिकारी, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह रळएट इनोवेशन लैब केवल एक प्रयोगशाला नहीं, बल्कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए नवाचार, वैज्ञानिक सोच और नई संभावनाओं का केंद्र बनेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य सरकारी विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं, डिजिटल तकनीक और इनोवेशन आधारित शिक्षण संसाधनों से लैस करना है, ताकि हर छात्र भविष्य की जरूरतों के अनुरूप खुद को तैयार कर सके। उन्होंने कहा कि लैब विद्यार्थियों को नए विचारों पर काम करने, वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान खोजने के लिए प्रेरित करेगी। विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने में गुणवत्तापूर्ण और तकनीक आधारित शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। आज के विद्यार्थी ही भविष्य के वैज्ञानिक, इंजीनियर, इनोवेटर, स्टार्टअप संस्थापक और राष्ट्र निमार्ता बनेंगे। मुख्यमंत्री ने इस पहल में सहयोग के लिए शिखर धवन फाउंडेशन, एचएमडी इंडिया और दा वन ग्रुप का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। ऐसे सहयोग से सरकारी विद्यालयों में आधुनिक शिक्षण संसाधनों का विस्तार होगा और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं तकनीक आधारित शिक्षा का लाभ मिलेगा।

कैबिनेट ने एनएच-15 के गुवाहाटी-तेजपुर कॉरिडोर को मंजूरी दीः मोदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त ।**

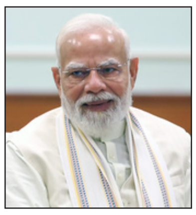

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने गुरुवार असम में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 15 के 135.871 किलोमीटर लंबे, चार लेन वाले पहुंच-नियंत्रित गुवाहाटी-तेजपुर कॉरिडोर विकसित करने को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पोस्ट में कहा कि असम में कनेक्टिविटी और विकास को बड़ा बढ़ावा! कैबिनेट ने एनएच-15 के गुवाहाटी-तेजपुर कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है, जो चार लेन का एक्सेस-कंट्रोल्ड कॉरिडोर होगा।

इस परियोजना से यात्रा का समय कम होगा, सड़क सुरक्षा में सुधार होगा और विभिन्न स्थानों पर बने बाईपास के माध्यम से ट्रैफिक जाम कम होगा। इसमें तेजपुर में एक आपातकालीन लैंडिंग सुविधा, पुल, फ्लाईओवर, अंडरपास और सर्विस रोड भी शामिल होंगे। यह कॉरिडोर असम और अरुणाचल प्रदेश में निर्बाध कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा।

यह परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग (मूल) के तहत निर्मित-संचालन-स्थानांतरण (टोल) मोड पर 8,970.20 करोड़ रुपए की लागत से विकसित की जाएगी। परियोजना के तहत तेजपुर बाईपास पर 4.9 किलोमीटर लंबी आपातकालीन लैंडिंग सुविधा विकसित की जाएगी, जिसे भारतीय वायु सेना के समन्वय से अंतिम रूप दिया गया है।

घुमंतू समाज को मिलेगा स्थायी सम्मान : योगी

» **लखनऊ, यूटर्न/ 06 अगस्त ।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब घुमंतू समाज को दर दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। प्रदेश की सरकार उन्हें सम्मानजनक जीवन का अधिकार दिलाने, शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना से जोड़ने और उनके समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। घुमंतू विकास बोर्ड केवल एक प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित विमुक्त एवं घुमंतू समाज को न्याय, सम्मान और अवसर दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगा।

उत्तर प्रदेश कैबिनेट द्वारा घुमंतू विकास बोर्ड गठन के निर्णय के उपरांत गुरुवार को समाज को ओर से आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास' का जो मंत्र देश को दिया था, उसी संकल्प का विस्तार आज समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। बिना जाति, क्षेत्र, भाषा अथवा किसी प्रकार के भेदभाव के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की इसी सोच की नई कड़ी घुमंतू विकास बोर्ड है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंग्रेजों ने 1871 के क्रिमिनल ट्राइब एक्ट के माध्यम से उन वीर समुदायों को अपराधी घोषित कर दिया था, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभाई थी।

संवेदनशीलता के साथ दृढ़ता, और सेवा का अद्भुत संगम थी सुषमा स्वराजः मल्होत्रा

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त । दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री पद्म विभूषण सुषमा स्वराज की सातवीं पुण्यतिथि के मौके पर गुरुवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वह भारतीय राजनीति का ऐसी आदर्श थीं जिसमें संवेदनशीलता के साथ दृढ़ता, और सेवा का अद्भुत संगम था। विदेश मंत्री के रूप में उन्होंने 'जनता की विदेश नीति' को नया अर्थ दिया। श्रीमती स्वराज की पुण्यतिथि के मौके पर यहां श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें श्री मल्होत्रा और सांसद बाँसुरी स्वराज सहित विभिन्न नेताओं ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

डीडीए का हाई-टेक ग्रीन मिशन, हर पौधे पर रहेगी डिजिटल नजर

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त ।**

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू के निर्देशों पर अमल करते हुए दिल्ली विकास प्राधिकरण यानी डीडीए ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ी और हाई-टेक पहल की है। 'मेगा पौधारोपण अभियान 2026-27' के तहत डीडीए ने देश में पहली बार डिजिटल पौधारोपण निगरानी प्रणाली की शुरूआत की है।

इस नई तकनीक का मुख्य उद्देश्य केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनके जीवित रहने और सही विकास की रियल-टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित करना है।

डीडीए के अनुसार इस डिजिटल प्रणाली के जरिए पौधारोपण कार्य का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। प्रत्येक पौधे की जियो-टैगिंग, स्थल की जानकारी और तस्वीरें मोबाइल एप के माध्यम से अपलोड की जाएंगी, जिससे पूरे अभियान में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। अभियान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल पर विशेष जोर देना है। इसके तहत सिंचाई, रखरखाव, सुरक्षा और निगरानी की जिम्मेदारी क्षेत्रीय अधिकारियों को सौंपी गई है। यदि किसी पौधे की मृत्यु होती है तो उसका रिकॉर्ड प्रणाली में दर्ज किया जाएगा और उसके स्थान पर नया पौधा लगाया जाएगा।

डिजिटल निगरानी से सफल होगा डीडीए का मेगा पौधारोपण अभियान

डीडीए ने पौधारोपण की गुणवत्ता और पौधों के जीवित रहने की स्थिति का निष्पक्ष आकलन कराने के लिए एक स्वतंत्र तृतीय-पक्ष एजेंसी नियुक्त करने का भी निर्णय लिया है। यह एजेंसी समय-समय पर सत्यापन कर रिपोर्ट देगी, जिससे आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा सकेंगे।

डीडीए के अनुसार, 23 लाख देशी पौधे लगाने के लक्ष्य में से 50 प्रतिशत से अधिक लक्ष्य एक महीने से भी कम समय में पूरा कर लिया गया है। डीडीए की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध पौधारोपण निगरानी डैशबोर्ड के माध्यम से आम नागरिक और अन्य हितधारक पार्कवार लगाए गए पौधों की संख्या, प्रजाति, अक्षांश-देशांतर और अन्य जानकारी देख सकेंगे।

अभियान में अब तक 118 रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, 18 धार्मिक संगठन, 31 सरकारी, अर्धसैनिक, पुलिस और गैर-सरकारी संस्थाएं, 24 स्कूल तथा 11 अन्य संस्थानों के 13,750 से अधिक लोगों ने भागीदारी की है।

डीडीए का कहना है कि तकनीक, सामुदायिक सहभागिता, सार्वजनिक निगरानी और स्वतंत्र मूल्यांकन को जोड़कर यह पहल राजधानी के हरित क्षेत्र का विस्तार, वायु गुणवत्ता में सुधार, शहरी तापमान में कमी, जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 7 जुलाई 2026 को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 70 लाख पौधारोपण मिशन की शुरूआत की थी। इसी अभियान के अंतर्गत डीडीए को राष्ट्रीय राजधानी में 23 लाख देशी पौधे लगाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दिल्ली में एक करोड़ रुपये से अधिक की अवैध सिगरेट जब्त

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त ।**

दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रतिबंधित और विदेशी सिगरेट की अवैध आपूर्ति में शामिल एक कथित गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है और एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की सिगरेट जब्त की है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दो चरणों में चलाए गए अभियान के दौरान विभिन्न ब्रांडों की 2,82,640 आयातित सिगरेट जब्त की गईं।

इन सिगरेटों पर कानून के अनुसार जरूरी पैकेजिंग और स्वास्थ्य चेतावनी नहीं होने के कारण भारत में इनकी बिक्री प्रतिबंधित है। पुलिस के अनुसार, यह अभियान चार अगस्त को शुरू हुआ था। उस दिन उत्तर-पूर्व जिले के विशेष स्टाफ को सूचना मिली थी कि करावल नगर इलाके में प्रतिबंधित आयातित सिगरेट की एक खेप पहुंचने वाली है। अधिकारियों ने बताया कि एक पुलिस टीम ने महालक्ष्मी विहार में नाला रोड के पास जाल बिछाया, जहां शाम करीब 4:30 बजे तीन लोगों को मोटरसाइकिल पर इस खेप को ले जाने का प्रयास करते हुए रोका गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अंकित (35), विशाल (28) और राहुल (36) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, उनके पास से इंडोनेशिया में बनी 'इन ब्लैक' ब्रांड की 12,640 सिगरेट वाले 79 डिब्बे बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि इन पैकेटों पर भारतीय कानून के तहत अनिवार्य वैधानिक स्वास्थ्य चेतावनियां नहीं छपी थीं। अधिकारियों ने बताया कि करावल नगर पुलिस स्टेशन में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम की धारा 7 और 20 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है, और इस खेप को ले जाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान तीनों आरोपियों ने अपने मुख्य आपूर्तिकर्ता का नाम बताया, जिसके बाद पुलिस ने राम नगर एक्सटेंशन से नीरज कपूर (55) को गिरफ्तार कर लिया।

गढ़ी सिकंदरपुर से काबड़ी लिंक रोड की रिपेयर न होने राहगीर, परेशान

पानीपत, यूटर्न/ 06 अगस्त। कुलदीप नगर, पानीपत निवासी युवराज सिंह मरवाहा ने गढ़ी सिकंदरपुर से काबड़ी तक जाने वाले लिंक रोड की रिपेयर करने की मांग उठाई है। जिसको लेकर सामाजिक कार्यकर्ता युवराज सिह ने लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता को पत्र लिखकर अतिशीघ्र समाधान करने की मांग की है। युवराज सिंह मरवाहा ने पत्र में वर्णित किया है कि गढ़ी सिकंदरपुर से काबड़ी जाने वाले लिंक रोड पर काफी फैक्ट्रियां लगी हुई है। फैक्ट्रियों से भारी मात्रा में सामान का प्रायः आना जाना रहता है। गढ़ी सिकंदरपुर-काबड़ी रोड़ पर स्ट्रीट लाइटें न होने से रोड़ पर अंधेरा बना रहता है। बरसात के मौसम में अंधेरा होने से लोग चौटिल हो हैं। इस रोड़ की लंबे समय से सुध नहीं ली गई। जिस पर काफी गड्ढे बने हुए हैं। जिससे इस मार्ग पर आवागमन करने वाले लोगों को प्रतिदिन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर गड्ढे होने के कारण मोटरसाइकिलें भी क्षतिग्रस्त हो रही हैं। कार बगैरा की व्हील बैलेंसिंग और अलाइनमेंट भी प्रभावित हो रही है।

सड़क की खराब स्थिति के कारण कई बार ई-रिक्शा भी दुर्घटनाग्रस्त हो गए हैं। जिससे भविष्य में कोई अप्रिय घटना भी हो सकती हैं।

युवराज सिंह मरवाहा ने लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि गढ़ी सिकंदरपुर-काबड़ी रोड़ तक की तुरंत प्रभाव से मुरम्मत करवाई जाए तथा रोड़ पर पर्याप्त मात्रा में स्ट्रीट लाइटें भी लगाई जाएं, ताकि आमजन को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

पुलिस ने टेलीग्राम-आधारित पार्ट टाइम साइबर जॉब स्कैम का पदार्फाश किया, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त । दिल्ली पुलिस के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट साइबर पुलिस स्टेशन ने राजस्थान से दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ये अपराधी टेलीग्राम-आधारित पार्ट-टाइम जॉब और इन्वेस्टमेंट स्कैम में शामिल थे। वे साइबर फ्रॉड करने वाले गिरोहों को 'म्यूल बैंक अकाउंट' उपलब्ध कराते थे, जिससे ऑनलाइन धोखाधड़ी से हासिल पैसे का ट्रांसफर और मनी लॉन्ड्रिंग हो पाती थी। पुलिस के अनुसार, यह मामला 9 जुलाई को टेलीग्राम के जरिए हुई धोखाधड़ी की शिकायत के बाद सामने आया, जिसमें पीड़ित से 2,84,100 रुपए ठग लिए गए थे। शिकायत करने वाले ने बताया कि 9 जून को 'पायल सिंह जाट' नाम के एक टेलीग्राम यूजर ने उनसे संपर्क किया और उन्हें 'फूडपांडा' से जुड़े ऑनलाइन रिव्यू के काम दिए। ये काम असली लग रहे थे और इन्हें पीड़ित का भरोसा जीतने के लिए ही तैयार किया गया था। इसके बाद, 2 जुलाई को शिकायतकर्ता की पहचान गौरिका ओजस नाम के एक अन्य टेलीग्राम यूजर से कराई गई, जिसने उसे बहुत ज्यादा रिटर्न का वादा करके एक ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट स्कीम में पैसे लगाने के लिए मनाया।

सावन महीने में 48 कोस की पवित्र भूमि में प्रेरणा संस्था एवं वृद्धाश्रम का रुद्राक्ष पौधे लगाने का निर्णय : डा. जय भगवान सिंगला

कुरुक्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों सहित तीर्थ स्थलों पर रुद्राक्ष पौधे लगा चुके हैं प्रेरणा संस्था सदस्य, कुछ पेड़ भी बने

» **अश्विनी वालिया**

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 06 अगस्त । कुरुक्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं तीर्थों पर रुद्राक्ष के पौधे लगाने के उपरांत प्रेरणा संस्था एवं प्रेरणा वृद्धाश्रम के सदस्यों व पदाधिकारियों ने कुरुक्षेत्र के 48 कोस क्षेत्र में पौधे लगाने का निर्णय लिया है।

कुरुक्षेत्र प्रेरणा वृद्धाश्रम के संस्थापक एवं संचालक डा. जय भगवान सिंगला ने बताया कि उन्होंने अपने 48 कोस तीर्थ अभियान की अपनी जन्मभूमि एवं महाभारत कालीन फल्गु तीर्थ के पवित्र तट से रुद्राक्ष जैसा पवित्र पौधा लगाने शुरूआत की है।

उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों में रुद्राक्ष को अति पवित्र माना गया है। प्रेरणा संस्था की पूरी टीम रुद्राक्ष के पौधे लगाने के काम में जी जान से जुटी हुई है। डा. सिंगला ने कहा कि 48 कोस में स्थित सभी संस्थाओं का उन्हें सक्रिय सहयोग मिल रहा है। इस कड़ी में जनता कालेज कौल के प्रांगण में कई रुद्राक्ष के पौधे रोपित किए गए। जिनमें वहां के प्राचार्य ऋषिपाल एवं उनके सभी स्टाफ सदस्यों और छात्रों ने सक्रिय सहयोग दिया। उन्होंने न केवल सहयोग दिया बल्कि यह भी विश्वास दिलाया कि वे इन पौधों की पूर्णतया देखभाल करेंगे और इन्हें कभी मुरझाने नहीं देंगे।

फरल गांव की गौशाला में भी कई पौधे लगाए गए जिनमें वहां के प्रधान और महासचिव पूर्व सरपंच,कुलदीप तंवर ने सक्रिय सहयोग दिया।

गांव में स्थित गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल सहित सभी स्टाफ सदस्यों और छात्राओं ने एक दूसरे से बढ़-चढ़कर इस अभियान में रुचि ली और यह निर्णय लिया कि प्रेरणा संस्था की टीम के इस पौधारोपण अभियान में सक्रिय सहयोग देंगी। ब्राह्मण धर्मशाला में भी और फल्गु के तीर्थ पर भी कई पौधे लगाए गए। इस अभियान में विशेष बात यह भी रही कि जिस स्कूल में डा. सिंगला ने स्वयं छटी कक्षा तक पढ़ाई की, उसके प्रांगण में भी पौधे लगाए गए। अपने स्कूल में स्वयं अपने हाथों से रुद्राक्ष लगाकर उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा।

इस पौधा रोपण अभियान में प्रेरणा संस्था की टीम जिसमें प्रधान जसवीर गुंबर, उपाध्यक्ष किरण गर्ग, नरेश गर्ग, सुरेखा, कोषाध्यक्ष आशा सिंगला, महासचिव हरकेश पपोसा, अरुण पाराशर, रामलाल सिंगला इत्यादि सभी ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। किरण गर्ग ने बताया कि डा. सिंगला के पूर्वजों के द्वारा बनाए गए मंदिर के प्रांगण में भी रुद्राक्ष के पौधे लगाए गए। सभी ने वहां मंदिर में पूजा अर्चना की और सुरेखा ने प्रभु शिव की आराधना हेतु रुद्राष्टक पथ किया और सभी गांव वासियों का मन मोह लिया।

सांसद नवीन जिंदल के कार्यों की पारदर्शिता एवं जवाबदेही का सशक्त दस्तावेज है बुकलेट : रमेश सैनी

प्रमोद कौशिक/कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 06 अगस्त । कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में पिछले दो वर्षों के दौरान हुए अभूतपूर्व विकास कार्यों, जनकल्याणकारी पहलों और सांसद नवीन जिंदल द्वारा किए गए लोकहित के कार्यों को समर्पित विशेष बुकलेट का वीरवार को जिंदल हाउस, कुरुक्षेत्र में भाजपा कुरुक्षेत्र जिलाध्यक्ष ने विमोचन किया। इस अवसर पर भाजपा के कुरुक्षेत्र जिलाध्यक्ष रमेश सैनी ने सांसद नवीन जिंदल के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विकास को गति देने के साथ-साथ जनसेवा की ऐसी कार्यसंस्कृति स्थापित की है, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। कुरुक्षेत्र भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सैनी ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल ने पिछले दो वर्षों में विकास और जनसेवा को नई दिशा दी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, किसानों के हित, युवाओं के रोजगार, कौशल विकास और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिंदल जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने वाले जनप्रतिनिधि हैं और यह बुकलेट उनके कार्यों की पारदर्शिता एवं जवाबदेही का सशक्त दस्तावेज है। सांसद कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल निरंतर जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उनकी विकास यात्रा केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, युवा सशक्तिकरण, किसान कल्याण, खेल, सामाजिक सेवा और राष्ट्रभावना को मजबूत करने वाले अभियानों तक विस्तृत है।

राष्ट्रव्यापी जन विरोध प्रदर्शन व जेल भरो आंदोलन को लेकर किया कार्यकर्ता सम्मेलन

जन-विरोधी नीतियों के चलते 10 अगस्त को होगा जेल भरो, आंदोलन

» निर्मल सिंह

पानीपत, यूटर्न/ 06 अगस्त। भारतीय किसान यूनियन भवन इसराना के अंदर किसान मजदूर संगठनों ने सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ 10 अगस्त देशव्यापी विरोध प्रदर्शन व जेल भरों कार्यक्रम की तैयारी में कार्यकर्ता सम्मेलन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता अखिल भारतीय किसान सभा के तहसील इसराना सचिव सीताराम शर्मा ने अध्यक्षता की।

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए संयुक्त किसान मोर्चा के जिला सह संयोजक-सीटू राज्य सचिव सुनील दत्त ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र व राज्य की सरकार किसान- मजदूर देश की मेहनतकश जनता की दुश्मन सरकार है। उनके खिलाफ काले कानून बनाकर देश के बड़े पूंजीपति अडानी अंबानी और विदेशी बहू राष्ट्रीय कंपनियों का बंदुआ गुलाम का षड्यंत्र रचा जा रहा है। षड्यंत्र के खिलाफ लगातार देश की मेहनतकश जनता किसान मजदूर छात्र नौजवान कर्मचारी सड़कों पर उतरकर आंदोलन कर रहे हैं।

जन आंदोलन को पुलिस दमन के द्वारा कुचला जा रहा है। देश की मेहनतकश जनता के अंदर सरकार के खिलाफ भारी गुस्सा है। जिसको लेकर 10 अगस्त 2026 को देश को बर्बाद करने वाली आर्थिक जन विरोधी नीतियों के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन और जेल भरो कार्यक्रम में करोड़ों की संख्या में सड़कों पर उतरेंगे।

किसान सभा के जिला प्रधान डॉक्टर सुरेंद्र मलिक, जिला सचिव राजपाल ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा-संघ परिवार नेतृत्व वाली यह सरकार अमेरिका के साथ विनाशकारी कृषि डील करके किसान और खेती दोनों को बर्बाद करने का पूरा षड्यंत्र रचा जा चुका है। ऐतिहासिक किसान आंदोलन के समय जो तीन कृषि काले कानून वापस लिए थे चोर दरवाजे से उनको लागू किया जा रहा है, वायदे के अनुसार अभी तक किसानों की फसल खरीद गारंटी कानून एमएसपी भी नहीं बनाया गया है।

कार्यकर्ता सम्मेलन में सरकार से की मांग

अमेरिका के साथ किसान विरोधी कृषि समझौता रद्द करो।

मजदूरों के खिलाफ बनाए गए चार लेबर कोर्ट रद्द करो।

बिजली विभाग का निजीकरण के निजीकरण पर तुरंत रोक लगाओ।

सरकारी विभागों को बेचना बंद करो, खाली पड़े सभी पदों नई भर्ती करते हुए बेरोजगार नौजवानों को काम दो।

सरकारी विभाग में लगे सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करो, हरियाणा कौशल रोजगार निगम को खत्म करो।

स्कीम वर्कर आशा, आंगनवाड़ी, मिड डे मील, क्रैच वर्क्स को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दो।

ग्रामीण सफाई कर्मचारी, ग्रामीण चौकीदारों को पक्का करो।

जेल में साजिश रच कानपुर में शिक्षक के घर साले ने ही कराई थी लूट ,तीन साथियों समेत गिरफ्तार

» सुनील बाजपेई

कानपुर, यूटर्न/ 06 अगस्त । बेरोजगार साले ने अपने शिक्षक जीजा के घर में लाखों रुपए की लूट करवा दी लेकिन इसके पहले कि वह फरार हो पाता। पुलिस ने मुठभेड़ में साले समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अब अन्य आरोपियों की भी तलाश की जा रही है। श्यामनगर में लूट थी यह घटना शिक्षक शरद चंद्र के घर हुई थी। जिस पर पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता और रिश्ते के साले प्रशांत उर्फ मोनू समेत पांच शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक जेल में रची गई इस साजिश में बदमाशों ने लूट के बाद बाइक छोड़कर लोडर और ऑटो का इस्तेमाल किया था, जिससे पुलिस गच्चा खाती रही। फिलहाल पुलिस की मेहनत रंग लाई और दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार हो गए। दोनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। मुठभेड़ से पूर्व पुलिस ने मास्टर माइंड शरद के साले प्रशांत उर्फ मोनू को गिरफ्तार किया था। मोनू की रेकी पर ही उसके साथ चार और बदमाशों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया था।

कानपुर मे शिक्षक के घर हुई लूट के बाद पुलिस बाइक सवार बदमाशों की तलाश में फुटेज खंगाल रही थी। इसी बीच एक फुटेज में रिश्ते का साला मोनू अपने साथियों के साथ लोडर में नजर आया। पुलिस की शक की सुई उस पर घूम गई। वह वारदात वाले दिन शिक्षक के घर पर था। उन्होंने सबसे पहले प्रशांत उर्फ मोनू को पकड़ा। इसके बाद बाकी के बदमाशों के नाम सामने आते चले गए।

तिरंगा हमारी शान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक, इसकी गरिमा बढ़ाना हम सबका दायित्व : डॉ. कमल गुप्ता

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 06 अगस्त। भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान पूर्व स्वास्थ्य एवं नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने आमजन की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर बातचीत की तथा उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में नगर के अनिल गोयल ने समाज कल्याण विभाग, सुमित सैनी ने हरियाणा रोडवेज तथा सुदेश चौधरी एवं बलबीर भूम्बक ने एचएसवीपी से संबंधित समस्याएं रखीं, जिनके समाधान के लिए डॉ. गुप्ता ने तत्काल आवश्यक कार्रवाई करवाई।

इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान को व्यापक स्तर पर सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता अभी से तैयारियों में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। यह राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और जनसहभागिता की भावना को सुदृढ़ करता है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह तिरंगे के सम्मान और उसकी गरिमा को बनाए रखते हुए राष्ट्रप्रेम का संदेश जन-जन तक पहुंचाए।

पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में डॉ. कमल गुप्ता ने कांग्रेस नेता के उस बयान को पूरी तरह निराधार, मनगढ़ंत और राजनीतिक हताशा का परिणाम बताया, जिसमें उन्होंने जिले के भाजपा नेताओं के उनके संपर्क में होने का दावा किया था। उन्होंने कहा कि यह केवल सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का असफल प्रयास है। डॉ. गुप्ता ने कहा, 'जिनके घर शीशे के होते हैं, उन्हें दूसरों के घरों पर पत्थर फेंकने से परहेज करना चाहिए।' इस अवसर पर सुरेश गोयल धूप वाला, राम चन्दर गुप्ता, सुरेंदर सिंह सैनी, कृष्ण बिश्नोई, दीपक अग्रवाल, लोकेश असीजा, विनोद तोशावाड़, सुनील चाय पत्ती वाला, अनुज जैन, धर्म सिंह खटकड़, सुनील गुप्ता, बलबीर सिंह भूम्बक, सुदेश चौधरी, सतीश मह्त्ता, सविता कपूर आदि उपस्थित रहें।

हिसार में बढ़ते अपराधों पर जेजेपी जिला प्रवक्ता रवि आहूजा का हमला, कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

» हरियाणा, यूटर्न/ 06 अगस्त ।

जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के हिसार विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं जिला प्रवक्ता रवि आहूजा ने शहर में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए भाजपा सरकार और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर में हत्या, गोलीकांड और व्यापारियों से फिरौती जैसी घटनाओं के बावजूद अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होने से आमजन और व्यापारी वर्ग में भय का माहौल है। रवि आहूजा ने कहा कि हाल ही में सूर्य नगर गली नंबर-6 में एक डेयरी संचालक की सरेआम हत्या, मॉडल टाउन में 12 वर्षीय बच्ची, एक महिला और एक युवक पर हुई फायरिंग तथा प्रॉपर्टी डीलर सतीश जांगड़ा और क्लॉथ मार्केट के व्यापारी अमन शॉल फर्म के मालिक से करोड़ों रुपये की फिरौती मांगने जैसे मामलों में अब तक मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि इससे सरकार की ब्यूरोक्रेसी और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

उन्होंने कहा कि शहर में लगातार बढ़ रही रंगदारी और आपराधिक घटनाओं से व्यापारी वर्ग में भारी रोष है। अपराधियों के मन में पुलिस और सरकार का कोई भय दिखाई नहीं देता, जबकि भाजपा सरकार और हिसार की विधायक भी बढ़ते अपराधों पर मौन हैं।

गुरुकुल में शुरू हुई पीएनजी पाइपलाइन सेवा, एलपीजी मुक्त बना पूरा परिसर

पीएनजी रेगुलेटरी बोर्ड के चेयरमैन डॉ. अनिल कुमार जैन ने किया शुभारम्भ, प्राकृतिक खेती एवं स्वच्छ ऊर्जा को बताया भविष्य की आवश्यकता

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 06 अगस्त। गुरुकुल कुरुक्षेत्र ने ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पूरे परिसर को एलपीजी मुक्त बना दिया है। गुरुकुल परिसर में मैस, छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर, चिकित्सालय सहित सभी प्रमुख भवनों में पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) पाइपलाइन का कार्य पूर्ण हो चुका है, जिसका विधिवत शुभारम्भ पीएनजी रेगुलेटरी बोर्ड के चेयरमैन डॉ. अनिल कुमार जैन ने किया।

इस अवसर पर गुजरात के राज्यपालश्री के ओएसडी डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार, गुरुकुल के व्यवस्थापक रामनिवास आर्य, लेफ्टिनेंट कर्नल कुमार अभिषेक, सीईओ वी.एस. चक्रवर्ती, अवनीत घनारा, अमन पंजेटा और साहिल भारद्वाज भी मौजूद रहे। समारोह का शुभारम्भ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ।

गुरुकुल पहुँचने पर डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने डॉ. अनिल कुमार जैन का पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। इसके पश्चात उन्होंने अतिथि को गुरुकुल परिसर का भ्रमण कराया तथा विद्यालय, एनडीए विंग, आर्ष महाविद्यालय, अत्याधुनिक गोशाला, पौधशाला, प्राकृतिक चिकित्सालय एवं अन्य परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

डॉ. जैन ने गुरुकुल में शिक्षा, संस्कार, स्वावलम्बन और प्रकृति आधारित जीवनशैली के समन्वित मॉडल की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से गुरुकुल के संरक्षक एवं गुजरात के राज्यपालश्री आचार्य देवव्रत जी द्वारा संचालित प्राकृतिक खेती अभियान की प्रशंसा करते हुए इसे देश के लिए प्रेरणादायी बताया। पीएनजी रेगुलेटरी बोर्ड के चेयरमैन डॉ. अनिल कुमार जैन ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा ही विकसित भारत की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि आज देश ऊर्जा के क्षेत्र में तीव्र गति से परिवर्तन की ओर अग्रसर है और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है।

राज्यपाल से मिलीं हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, महिला सशक्तिकरण पर हुई सार्थक चर्चा

» हरियाणा, यूटर्न/ 06 अगस्त ।

हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने हरियाणा के महामहिम राज्यपाल माननीय असीम कुमार घोष से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस आत्मीय मुलाकात के दौरान महिला कल्याण, महिला आयोग की जनहितकारी योजनाओं, महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सार्थक विचार-विमर्श हुआ। अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने आयोग द्वारा महिलाओं के हित में संचालित गतिविधियों एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी भी राज्यपाल महोदय को दी। महामहिम राज्यपाल असीम कुमार घोष ने महिलाओं के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए हरियाणा राज्य महिला आयोग को अपने मार्गदर्शन एवं शुभकामनाएँ प्रदान कीं। उन्होंने समाज में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित संस्थाओं के समन्वित प्रयासों पर बल दिया। अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने राज्यपाल महोदय के स्नेहिल मार्गदर्शन एवं शुभकामनाओं के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा राज्य महिला आयोग प्रदेश की महिलाओं के अधिकारों की रक्षा, न्याय दिलाने तथा उन्हें सशक्त बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहेगा।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

ईरान युद्ध में अमेरिका के मिसाइल भंडार खाली और रूस इस पर नजर रखे हुए है

संदीप शर्मा

युद्धों में सिर्फ. जान और पैसा ही खर्च नहीं होता, बल्कि इनसे 'डिटरेंस' (दुश्मन को डराकर रोकने की क्षमता) भी खत्म होती है।

हालिया अमेरिका-ईरान टकराव ने वॉशिंगटन के सामने एक असहज सच्चाई उजागर की है। ऐसी खबरें हैं कि अमेरिका ने अपने एडवांस्ड मिसाइल इंटरसेप्टर और लंबी दूरी तक सटीक निशाना लगाने वाले हथियारों का एक बड़ा हिस्सा इस्तेमाल कर लिया है। इससे ईरान से भी बड़ा एक रणनीतिक सवाल खड़ा हो गया है: अगर रूस या चीन जैसी किसी बराबरी की सैन्य ताकत के साथ अगला संकट पैदा होता है, तो क्या होगा?

क्या हम 'MAGA' (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) को 'MAPA' (मेड अमेरिका पुअर अगेन) में बदलते देख रहे हैं? क्या आप सुन रहे हैं मिस्टर ट्रंप?

दशकों से, अमेरिका ने अपनी सैन्य नीति इस सोच पर बनाई थी कि वह एक से ज्यादा बड़े टकरावों को रोक सकता है या जरूरत पड़ने पर उनसे लड़ सकता है। अब यह सोच दबाव में दिख रही है। आधुनिक युद्धों में एडवांस्ड मिसाइलें इतनी तेजी से खर्च होती हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी डिफेंस इंडस्ट्री भी उनकी भरपाई करने में संघर्ष करती है।

सैन्य योजनाकारों का लंबे समय से तर्क रहा है कि तकनीकी रूप से एडवांस्ड दुश्मनों के खिलाफ युद्ध का फैसला न केवल बेहतर हथियारों से होता है, बल्कि उन्हें लगातार बनाने की क्षमता से भी होता है। कारखाने, सप्लाई चेन और औद्योगिक क्षमता भी एयरक्राफ्ट कैरियर और स्टील्थ फाइटर जितने ही महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं।

रूस लगभग निश्चित रूप से ईरान अभियान से मिले सबक का अध्ययन कर रहा है—इसलिए नहीं कि उसे कल अमेरिका से लड़ने की उम्मीद है, बल्कि इसलिए क्योंकि हर टकराव ताकत और कमजोरियों को उजागर करता है। अगर अमेरिका के हाई-एंड इंटरसेप्टर और सटीक हथियारों के भंडार को फिर से भरने में महीनों के बजाय साल लगते हैं, तो यह हर प्रतिद्वंद्वी की रणनीतिक गणना का हिस्सा बन जाता है।

इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका अचानक सैन्य रूप से कमजोर हो गया है। उसके वैश्विक गठबंधन, परमाणु प्रतिरोधक क्षमता, नौसैनिक प्रभुत्व और वायु शक्ति कई मामलों में बेजोड़ हैं। लेकिन श्रेष्ठता अब केवल इस बात से नहीं मापी जाती कि आज सैन्य गोदामों में क्या है; यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि किसी गहन अभियान के बाद उन गोदामों को कितनी तेजी से फिर से भरा जा सकता है। इसलिए, ईरान टकराव को तेहरान को हुए नुकसान के बजाय वॉशिंगटन में खड़े हुए सवालों के लिए ज्यादा याद किया जा सकता है। मॉस्को के लिए, सबक यह होने की संभावना नहीं है कि अमेरिका कमजोर है। सबक यह है कि अमेरिका, हर आधुनिक सेना की तरह, अपनी सीमाएं रखता है। ये सीमाएं तब दिखाई देती हैं जब भंडार कम हो जाते हैं और उत्पादन युद्ध के मैदान की मांग के साथ तालमेल बिठाने के लिए संघर्ष करता है। इतिहास बताता है कि बड़ी ताकतों की परीक्षा न केवल उनकी जीतों से होती है, बल्कि उन जीतों की कीमत से भी होती है। हो सकता है कि ईरान युद्ध उन अहम पलों में से एक साबित हो—जो प्रतिद्वंद्वियों को अमेरिका की टिके रहने की क्षमता का फिर से आकलन करने पर मजबूर करे और वॉशिंगटन को यह सोचने पर विवश करे कि क्या उसका मिलिट्री-इंडस्ट्रियल बेस अगले, और शायद कहीं ज्यादा बड़े, संघर्ष के लिए तैयार है। ईरान युद्ध का सबसे खतरनाक नतीजा शायद मिडिल ईस्ट में न हो। यह नतीजा उन रणनीतिक निष्कर्षों में हो सकता है जो मॉस्को, बीजिंग और हर उस डिफेंस हेडक्वार्टर में निकाले जा रहे हैं, जो अमेरिका की मिसाइल इन्वेंट्री पर उतनी ही बारीकी से नजर रखे हुए हैं जितनी कि युद्ध के मैदान में उसकी सफलताओं पर।

चिंतन-मननः थुकदम' पर शोध खोलेगा जीवन-मृत्यु का रहस्य

गीता में कहा गया है कि शरीर तो एक पुतला मात्र है इसमें मौजूद आत्मा जीव है। यह जिस शरीर में होता है उस शरीर के गुण, कर्म और अपेक्षा के अनुरूप मृत्यु के बाद नया शरीर धारण कर लेता है। आत्मा न तो जन्म लेता है और न इसकी मृत्यु होती है। जब तक आत्मा शरीर में रहती है तब-तक शरीर जीवत रहता है। आत्मा द्वारा शरीर का त्याग करते ही शरीर सड़ने लगता है और इससे बदबू आने लगती है। गरूड़ पुराण में कहा गया है कि व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी काफी समय तक आत्मा शरीर के आस-पास भटकती रहती है। जिस व्यक्ति की मृत्यु आ जाती है और उनका मोह शरीर से लगा रहता है उनकी आत्मा को यमदूत जबरदस्ती खींचकर ले जाते हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल में योगी मुनि अपनी इच्छा से योग द्वारा शरीर का त्याग करते थे। माना जाता है कि इस प्रकार शरीर का त्याग करने से सद्गति प्राप्त होती है। हिन्दू धर्म के अलावा बौद्ध धर्म में भी ऐसी ही मान्यता है। इसलिए बौद्ध भिक्षु भी योग द्वारा शरीर त्याग किया करते थे। योग द्वारा शरीर का त्याग करने से शरीर जल्दी दूषित नहीं होता है, क्योंकि उसमें जीवन का अंश मौजूद रहता है। हाल ही में धर्मशाला स्थित डेलेक अस्पताल में बौद्ध भिक्षु गैंगिंग खेतरुल रिंपोंछे की मौत के छह दिन बाद भी उसके पार्थिव शरीर के सुरक्षित रहने से दुनिया भर के चिकित्सक हैरान हैं। हालांकि इससे पूर्व जनवरी 2013 में भी दक्षिण भारत की ड्रेपुंग मोनेस्ट्री में इस तरह का मामला सामने आया है, जिसमें मोनेस्ट्री के प्रमुख रहे लोबसंग निमा मौत के बाद 18 दिन तक इसी अवस्था में रहे थे।

प्रतिभा और संकल्प की मिसाल बनीं प्रज्ञा शर्मा

संघर्ष से सफलता के स्वर्णिम शिखर तक की सफर

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

पत्रकारिता की पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का निर्णय लिया।भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग के पब्लिसिटी डिवीजन में कार्य करते हुए उन्होंने एंकरिंग, वॉयस ओवर,कार्यक्रम समन्वय, जनसंपर्क और विभिन्न सरकारी आयोजनों के मीडिया कवरेज जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अनुभव अर्जित किया। छात्र जीवन में ही सरकारी कार्यप्रणाली और संचार व्यवस्था को निकट से समझने का अवसर मिलना उनके पेशेवर जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।

किसी भी युवा की सफलता केवल उसके प्राप्त अंकों या पुरस्कारों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से आंकी जाती है कि उसने अपने संघर्षों को किस प्रकार अवसरों में बदला। जब सीमित संसाधनों के बीच कोई विद्यार्थी अपने परिश्रम,अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर सफलता की नई इबारत लिखता है,तब उसकी उपलब्धि व्यक्तिगत नहीं रहती,बल्कि समाज के लिए प्रेरणा बन जाती है।ऐसी ही प्रेरणादायी कहानी है दिल्ली निवासी युवा पत्रकार, लेखिका और कंटेंट राइटर प्रज्ञा शर्मा की, जिन्होंने अपने छात्र जीवन में आत्मनिर्भरता,मेहनत और प्रतिभा का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है,जो आज अनेक युवाओं के लिए मार्गदर्शक बन चुका है।माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय से पत्रकारिता एवं जनसंचार की शिक्षा प्राप्त करने वाली प्रज्ञा शर्मा को वर्ष 2025 में विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित पंडित रमेश्वरदयाल तिवारी स्मृति पदक से सम्मानित किया गया।यह सम्मान विश्वविद्यालय द्वारा उन विद्यार्थियों को प्रदान किया जाता है,जिन्होंने शिक्षा,प्रतिभा और व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियां अर्जित की हों।इससे पूर्व वर्ष 2024 में उन्होंने पत्रकारिता एवं जनसंचार की स्नातकोत्तर परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। लगातार दो वर्षों में मिले इन प्रतिष्ठित सम्मानों ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा और परिश्रम का संगम कभी व्यर्थ नहीं जाता।

प्रज्ञा शर्मा की सफलता का सबसे प्रेरक पक्ष यह है कि उन्होंने अपनी शिक्षा किसी विशेष सुविधा या आर्थिक संबल के सहारे नहीं,बल्कि अपने आत्मविश्वास और श्रम के बल पर पूरी की।भोपाल में अध्ययन के दौरान उन्होंने ऑनलाइन ट्यूशन पढ़ाकर तथा फ्रीलांस कंटेंट राइटिंग के माध्यम से अपनी पढ़ाई और रहने का खर्च स्वयं वहन किया।आज जब अनेक युवा छोटी-छोटी कठिनाइयों को अपने सपनों की राह में बाधा मान लेते हैं,तब प्रज्ञा का यह संघर्ष यह संदेश देता है कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक व्यवस्था नहीं,बल्कि सोच और व्यक्तित्व की पहचान भी है।

पत्रकारिता की पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का निर्णय लिया।भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग के पब्लिसिटी डिवीजन में कार्य करते हुए उन्होंने एंकरिंग, वॉयस ओवर,कार्यक्रम समन्वय, जनसंपर्क और विभिन्न सरकारी आयोजनों के मीडिया कवरेज जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अनुभव अर्जित किया। छात्र जीवन में ही सरकारी कार्यप्रणाली और संचार व्यवस्था को निकट से समझने का अवसर मिलना उनके पेशेवर जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ। यही कारण है कि शिक्षा पूरी करने के बाद उन्हें अलग से अपनी क्षमता सिद्ध करने में अधिक समय नहीं लगा। वर्तमान में प्रज्ञा शर्मा भारत सरकार के सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) में कॉन्टेंट राइटर के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं।सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को सरल,प्रभावी और जनसुलभ भाषा में प्रस्तुत करना अत्यंत जिम्मेदारी का कार्य होता है।इस भूमिका में उनका योगदान यह दर्शाता है कि पत्रकारिता की शिक्षा केवल समाचार लेखन तक सीमित नहीं रहती,बल्कि शासन और समाज के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करने का माध्यम भी बनती है।प्रज्ञा शर्मा केवल पत्रकारिता और सरकारी संचार तक सीमित नहीं रहीं।वर्ष 2022 में उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान समाज के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले वास्तविक कोरोना योद्धाओं पर आधारित एक पुस्तक का लेखन भी किया।यह कार्य उनकी सामाजिक संवेदनशीलता, शोधपरक दृष्टि और लेखन क्षमता का परिचायक है। ऐसे समय में, जब दुनिया भय और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही थी, उन्होंने उन लोगों की कहानियों को शब्द दिए, जिन्होंने मानवता की रक्षा के लिए अपने कर्तव्य का निर्वहन किया।अपनी उपलब्धि पर प्रज्ञा शर्मा अत्यंत विनम्र दिखाई देती हैं। उनका मानना है कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय ने उन्हें केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं दी, बल्कि जीवन में आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी प्रदान किया।उनके अनुसार विश्वविद्यालय का सकारात्मक वातावरण,अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन और व्यावहारिक प्रशिक्षण उनके व्यक्तित्व निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

भाजपा से मोहभंग करार देने की दृष्टिहीनता भरी मानसिकता

मनोज कुमार अग्रवाल

मतदाता लोकतंत्र में भाग्य विधाता की भूमिका रखता है और यह भाग्य विधाता सभी राजनीतिक दलों को हद और दायरे में रखना जानता है अथवा इस तरह मान लीजिए कि मतदाता सत्ताधारी दल और विरोधी दलों का समय समय पर कान उमेट कर उन्हें दिशाहीन होने से बचाने का संकेत देता है।अब स्थिति यह है कि भाजपा ने उपचुनावों में दो सीट क्या गंवाई कुछ लोगों ने इसे भाजपा से मोहभंग करार अलापना शुरू कर दिया। लेकिन यह सिर्फ दृष्टिहीनता से अधिक कुछ नहीं है।

आपको बता दें हाल ही में बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की एक-एक विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजे संख्या की दृष्टि से भले ही छोटे हों, लेकिन उनके राजनीतिक संकेत व्यापक हैं। बिहार की बांकीपुर सीट पर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने जीत दर्ज कर भारतीय जनता पार्टी का लगभग तीन दशक पुराना गढ़ तोड़ दिया है। वहीं, मध्य प्रदेश की दत्तिया सीट कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने भाजपा से छीन ली, जबकि गुजरात की मांजलपुर सीट पर भाजपा ने 30 हजार से अधिक मतों के अंतर से अपना दबदबा बनाए रखा। इस प्रकार तीन राज्यों के जनादेश ने किसी एक दल के पक्ष में एकतरफा कहानी लिखने के बजाय तीन अलग-अलग राजनीतिक संदेश दिए हैं। सबसे अधिक चर्चा बिहार की बांकीपुर सीट की हो रही है। पटना के शहरी क्षेत्र में आने वाली यह सीट वर्ष 1995 से भाजपा के प्रभाव वाली मानी जाती रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के कारण यहां उपचुनाव कराया गया था। ऐसे मजबूत राजनीतिक दुर्ग में प्रशांत किशोर की 19 हजार से अधिक मतों से जीत केवल एक उम्मीदवार की सफलता नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति में तीसरे विकल्प की संभावनाओं का उद्घोष है। प्रशांत किशोर अब तक चुनावी रणनीतिकार, राजनीतिक टिप्पणीकार और बिहार में पदयात्रा करने वाले अभियानकर्ता के रूप में पहचाने जाते थे। बांकीपुर के नतीजे ने पहली बार उन्हें निर्वाचित जनप्रतिनिधि और चुनाव जीत सकने वाले नेता की पहचान दी है। भारतीय राजनीति में सलाहकार से स्वयं चुनावी मैदान में उतरने की यात्रा आसान नहीं होती। दूसरे दलों को जिताने की रणनीति बनाना और स्वयं जनता का भरोसा जीतना दो अलग-अलग चुनौतियां हैं। बांकीपुर की जीत से प्रशांत किशोर ने इस पहली परीक्षा को पार कर लिया है। फिर भी इस विजय को तत्काल पूरे बिहार में जन सुराज की लहर मान लेना जल्दबाजी होगी। बांकीपुर एक शहरी और अपेक्षाकृत विशिष्ट सामाजिक संरचना वाली सीट है। यहां मतदाताओं की प्राथमिकताएं ग्रामीण बिहार से भिन्न हो सकती हैं। प्रत्याशी की व्यक्तिगत पहचान, भाजपा के भीतर स्थानीय असंतोष, विपक्षी मतों का समीकरण और कम मतदान जैसे कारक भी परिणाम को प्रभावित करते हैं। इसलिए जन सुराज की वास्तविक परीक्षा तब होगी जब पार्टी को ग्रामीण, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और अति पिछड़े मतदाताओं के बीच समान रूप से स्वीकार्यता साबित करनी होगी। इसके बावजूद यह परिणाम बिहार इसके बा के स्थापित राजनीतिक दलों के लिए चेतावनी तो जरूर है।

भाजपा को सोचना होगा कि वर्षों से सुरक्षित मानी जाने वाली सीट पर उसका संगठन और उम्मीदवार चयन क्यों कमजोर पड़ा। राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के लिए भी यह नतीजा असहज करने वाला है। भाजपा विरोधी मतदाता यदि पारंपरिक विपक्ष के बजाय एक नए विकल्प की ओर जाने लगें, तो बिहार की राजनीति का त्रिकोणीयकरण तेज हो सकता है। जन सुराज की मजबूती केवल भाजपा के लिए चुनौती नहीं होगी; वह विपक्षी दलों के मताधार में भी सेंध लगा सकती है।

वहीं, मध्य प्रदेश की दतिया सीट का परिणाम कांग्रेस के लिए मनोवैज्ञानिक संबल है। कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने भाजपा उम्मीदवार को पराजित कर वह सीट हासिल की। राज्य में सत्ता से बाहर कांग्रेस के लिए यह जीत बताती है कि मजबूत स्थानीय उम्मीदवार, संगठित प्रचार और जमीनी मुद्दों पर केंद्रित रणनीति के के माध्यम से भाजपा को चुनौती दी जा सकती है।

फर्स्टसोर्स सॉल्यूशंस का मुनाफा अप्रैल-जून अवधि में तिमाही आधार पर 19 प्रतिशत घटा

» **मुंबई, यूटर्न/ 06 अगस्त ।**

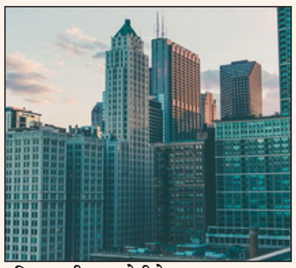

आरपी-संजीव गोयनका ग्रुप की आईटी कंपनी फर्स्टसोर्स सॉल्यूशंस ने गुरुवार को वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए। अप्रैल-जून अवधि में कंपनी का मुनाफा तिमाही आधार पर 19 प्रतिशत घटकर 166 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 205 करोड़ रुपए था।

वित्त वर्ष 27 की जून तिमाही में कंपनी की ऑपरेशंस से आय तिमाही आधार पर 5.5 प्रतिशत बढ़कर 2,725 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 26 की मार्च तिमाही में 2,583 करोड़ रुपए थी। कंपनी का परिचालन स्तर पर एबिट तिमाही आधार पर 45.2 प्रतिशत घटकर 337 करोड़ रुपए हो गया है।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में कंपनी का ईबीआईटी मार्जिन 20 आधार अंक बढ़कर 12.4 प्रतिशत हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 12.2 प्रतिशत था।

नतीजों के बाद फर्स्टसोर्स सॉल्यूशंस के शेयरों में बड़ी गिरावट देखी गई। दोपहर 2:30 बजे यह 12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 296 रुपए के आसपास कारोबार कर रहा था।

इन्ट्रा-डे में शेयर में 280.30 रुपए का लो और 339 रुपए का हाई बनाया है। यह दिखाता है कि शेयर में बड़ा उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

हालांकि, बड़ी गिरावट के बाद भी बीते एक महीने में 19 प्रतिशत का सकारात्मक रिटर्न दिया है। वहीं, छमाही आधार पर यह आंकड़ा 3 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त, बीते एक साल में शेयर ने 15 प्रतिशत का नकारात्मक रिटर्न दिया है।

दूसरी तरफ, भारतीय शेयर बाजार में तेजी के साथ कारोबार हो रहा है। सेंसेक्स 192 अंक या 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 78,817 और निफ्टी 13 अंक की बढ़त के साथ 24,637 पर था।

भारत और दक्षिण अफ्रीका महत्वपूर्ण खनिजों, फार्मास्यूटिकल्स और विनिर्माण क्षेत्र में सहयोग का विस्तार करेंगे: पीयूष गोयल

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त**

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका ने जयपुर में आयोजित 'ब्रिक्स 2026 व्यापार मंत्रियों की बैठक' के दौरान महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स), दवा उद्योग (फार्मास्यूटिकल्स) और विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

इस बैठक में दोनों देशों ने भारत-दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (एसएसीयू) के बीच प्रस्तावित प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट (पीटीए) को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने इस समझौते से जुड़े टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) पर हस्ताक्षर करने और वार्ताओं को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक के इतर पीयूष गोयल ने दक्षिण अफ्रीका के व्यापार, उद्योग एवं प्रतिस्पर्धा मंत्री पार्क्स टाउ से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापारिक और आर्थिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श हुआ।

पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'हमने भारत-एसएसीयू प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस पर हस्ताक्षर, वार्ताओं को जल्द पूरा करने, भारत-दक्षिण अफ्रीका व्यापार संबंधों को मजबूत बनाने तथा महत्वपूर्ण खनिज, फार्मास्यूटिकल्स और विनिर्माण क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की।' भारत इस समय स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों, उन्नत विनिर्माण और रणनीतिक उद्योगों के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षित और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) विकसित करने पर विशेष ध्यान दे रहा है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के साथ सहयोग बढ़ाने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारत की अध्यक्षता में आयोजित ब्रिक्स 2026 व्यापार मंत्रियों की बैठक में सदस्य देशों ने व्यापार और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने, नवाचार को बढ़ावा देने, मजबूत वैल्यू चेन विकसित करने और टिकाऊ औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने पर चर्चा की।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि दोनों देशों ने व्यापारिक वार्ताओं को जल्द पूरा करने के उपायों पर भी विचार किया, ताकि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आर्थिक भागीदारी को नई गति दी जा सके।

इस बीच, इंडिया अफ्रीका एंटरप्रेन्योरशिप फोरम (आईएईएफ) के आंकड़ों के अनुसार, भारत और अफ्रीका के बीच व्यापार वर्ष 2001 में 7 अरब डॉलर से बढ़कर 2023 में 98 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। वहीं अफ्रीकी महाद्वीप में भारत का कुल निवेश 75 अरब डॉलर से अधिक पहुंच चुका है। यह निवेश मुख्य रूप से दूरसंचार, दवा उद्योग, बुनियादी ढांचा और कृषि क्षेत्रों में केंद्रित है। आईएईएफ के अनुसार, भारत और अफ्रीका की संयुक्त आर्थिक क्षमता करीब 7 ट्रिलियन डॉलर है। फोरम का मानना है कि स्वास्थ्य सेवाओं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), फिनटेक, जलवायु प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में भारत और अफ्रीकी देशों के बीच सहयोग और निवेश की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

देखभाल क्षेत्र में कौशल विकास से बढ़ेंगे रोजगार और आर्थिक अवसर: नीति आयोग

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त**

देश में देखभाल सेवाओं की मौजूदा और भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं का एक मजबूत समूह तैयार करने की जरूरत बढ़ रही है। साथ ही, भारतीय देखभालकर्ता पेशेवरों के लिए वैश्विक स्तर पर उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने की भी आवश्यकता है। यह बात नीति आयोग की एक नई रिपोर्ट में कही गई है।

रिपोर्ट में देखभालकर्ताओं को देखभाल व्यवस्था का केंद्र बताया गया है। इसमें देखभाल कार्य को एक कुशल, सम्मानजनक और मूल्यवान पेशे के रूप में मान्यता देने पर जोर दिया गया है। साथ ही गुणवत्तापूर्ण देखभाल, पेशेवर पहचान, कार्यबल कल्याण, संस्थागत सहयोग और परिवारों व समुदायों को विश्वसनीय तथा किफायती देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता रेखांकित की गई है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर केयरगिवर्स की बढ़ती मांग भारत के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। इसके माध्यम से भारत पारंपरिक देखभाल सेवाओं के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व स्थापित कर सकता है, बड़े आर्थिक मूल्य का सृजन कर सकता है और रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि इससे देखभालकर्ताओं को बेहतर पहचान और सामाजिक सुरक्षा मिल सकेगी। साथ ही भारत की सांस्कृतिक विरासत, ज्ञान-आधारित विशेषज्ञता और सॉफ्ट पावर को भी वैश्विक स्तर पर मजबूती मिलेगी। यह रिपोर्ट भारत के देखभाल संबंधी पारिस्थितिकी तंत्र को प्रस्तुत करती है और एक संगठित, पेशेवर, सुलभ और भविष्य के लिए तैयार देखभाल प्रणाली के निर्माण के लिए एक व्यापक रोडमैप की रूपरेखा तैयार करती है। नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम के अनुसार, 'सेवा और संवेदना' हमेशा से भारत की सभ्यतागत विचारधारा के केंद्र में रही हैं, और देखभाल करना इन शाश्वत मूल्यों को दर्शाता है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक मजबूत देखभाल प्रणाली सामाजिक समावेश को मजबूत करेगी, एक देखभाल करने वाले समाज का विकास करेगी, समुदायों को सशक्त बनाएगी, गुणवत्तापूर्ण आजीविका का सृजन करेगी और 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

सीसीपीए ने डार्क पैटर्न्स के खिलाफ कार्रवाई की; इंडिगो, जेप्टो, फर्स्टक्राई फिजिक्स वाला समेत 9 प्लेटफॉर्म्स पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त ।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने इंडिगो, जेप्टो, फिजिक्स वाला, बुकमाईशो, फर्स्टक्राई और स्पाइसजेट समेत नौ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जुर्माना लगाया है। इन प्लेटफॉर्म पर 'डार्क पैटर्न' जैसे भ्रामक ऑनलाइन तरीके इस्तेमाल करने का आरोप है, जिनसे खरीदारी और सब्सक्रिप्शन के दौरान ग्राहकों को गुमराह किया जाता है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में इस कार्रवाई की जानकारी दी। सरकार ने बताया कि रेगुलेटर ने ग्राहकों को ऐसे ऑनलाइन इंटरफेस से बचाने के लिए सख्ती बढ़ा दी है, जो खरीदारी के फैसलों को प्रभावित करने के लिए बनाए जाते हैं। मंत्रालय के अनुसार, सीसीपीए ने उन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की है जो 'डार्क पैटर्न' के अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल करती पाई गई। इनमें ड्रिप प्राइसिंग, बास्केट स्नीकिंग, कन्फर्म शेमिंग, सब्सक्रिप्शन ट्रैप और गुमराह करने वाले प्रॉम्प्ट शामिल हैं। इन तरीकों का मकसद यूजर्स को ऐसे फैसले लेने के लिए प्रेरित करना है जो वे शायद खुद नहीं लेते।

रेगुलेटर ने अब तक गाइडलाइंस का उल्लंघन करने वाली कंपनियों से लगभग 20 लाख रुपए का जुर्माना वसूला है।

जून 2025 में, सीसीपीए ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को निर्देश दिया था कि वे अपनी डिजिटल सेवाओं का सेल्फ-ऑडिट करें और 'डार्क पैटर्न' की पहचान करके उन्हें हटाएं। जुर्माना भरने वाली कंपनियों में क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म जेप्टो मार्केटप्लेस पर 7 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। रेगुलेटर ने पाया कि यूजर्स द्वारा शुरुआती कीमत देखने के बाद, चेकआउट प्रोसेस के दौरान अतिरिक्त हैंडलिंग चार्ज और मेंबरशिप फीस जोड़ी जा रही थी। सीसीपीए ने इस तरीके को 'ड्रिप प्राइसिंग' और 'बास्केट स्नीकिंग' की श्रेणी में रखा। रेगुलेटर के दखल के बाद, जेप्टो ने इन तरीकों को बंद कर दिया।

एडटेक प्लेटफॉर्म फिजिक्स वाला पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। सीसीपीए ने पाया कि यूजर्स को भावनात्मक रूप से प्रभावित करने वाले

संदेश दिखाए जा रहे थे, जो उन्हें डोनेशन का विकल्प बनाए रखने के लिए प्रेरित करते थे।

रेगुलेटर ने कंपनी की इस शर्त पर भी आपत्ति जताई कि मुफ्त कोर्स का एक्सेस पाने से पहले यूजर्स को अपनी निजी जानकारी देनी होगी। इसके बाद फिजिक्स वाला ने जुर्माना भर दिया और संबंधित तरीकों को हटा दिया। सीसीपीए ने दिग्गज एयरलाइन इंडिगो पर भी कार्रवाई की है, जो अपने मोबाइल ऐप पर 'कन्फर्म शेमिंग' का एक तरीका अपना रही थी।

रेगुलेटर द्वारा 'नहीं, मैं रिस्क लूंगा' जैसे ऑप्ट-आउट संदेश पर आपत्ति जताने के बाद एयरलाइन ने अपना यूजर इंटरफेस बदल दिया। इस संदेश को बदलकर अधिक न्यूट्रल बात लिखी गई, 'नहीं, मैं ट्रिप में कुछ नहीं जोड़ूंगा'। बुकमायशो को अपने बुकएप्साइल इनिशिएटिव के लिए पहले से चुने हुए 1 रुपए के डोनेशन को बंद करने का निर्देश दिया गया, क्योंकि रेगुलेटर ने इसे 'बास्केट स्नीकिंग' माना था।

संक्षिप्त खबरें

एयरटेल ने टैरिफ संरचना में बदलाव की मांग की

नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त । भारती एयरटेल ने भारतीय दूरसंचार बाजार में टैरिफ की मौजूदा मूल्य संरचना में मूलभूत बदलाव की मांग की है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लंबी अवधि में कंपनियों के वित्तीय रूप से टिकाऊ रहने और औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए, केवल टैरिफ बढ़ाने के बजाय अधिक डेटा उपयोग करने वाले ग्राहकों से ज्यादा शुल्क लेना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह बयान उन्होंने तिमाही आय घोषणा के दौरान दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा असीमित डेटा मॉडल, जो बहुत कम कीमत पर उपलब्ध है, प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) को सीमित करता है, जो उद्योग के लिए टिकाऊ नहीं है। उनका मानना है कि एक तर्कसंगत मूल्य संरचना, जहां अधिक खपत के लिए अधिक भुगतान किया जाए, भारत की बढ़ती समृद्धि के साथ अगले 5-7 वर्षों में एआरपीयू में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी दिशा होगी और प्रवेश स्तर की कीमतों को अनावश्यक रूप से बढ़ाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मौजूदा प्रणाली बनी रहती है, तो कंपनियों को वित्तीय मजबूती और 5जी नेटवर्क के विशाल निवेश को बनाए रखने के लिए टैरिफ बढ़ाने ही पड़ेंगे।

एचडीएफसी बैंक में प्रणालीगत गवर्नेंस चिंता नहीं: चेयरमैन

नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त । एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन राजीव कुमार ने बैंक की वार्षिक आम बैठक में आश्वस्त किया कि पूर्व अंशकालिक चेयरमैन से जुड़े हालिया घटनाक्रम के बावजूद बैंक में प्रणालीगत स्तर पर संचालन संबंधी कोई चिंता नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि बैंक बुनियादी तौर पर मजबूत है और उच्चतम कारोबारी संचालन मानकों को बनाए रखेगा। कुमार ने स्पष्ट किया कि बैंक के पास किसी भी गड़बड़ी का पता लगाने के लिए मजबूत नियंत्रण प्रणाली और निगरानी तंत्र है। उन्होंने दोहराया कि बैलेंस शीट बेदाग है और प्रशासन संबंधी कोई प्रणालीगत चिंता नहीं है। बोर्ड ईमानदारी, पारदर्शिता व जवाबदेही के उच्चतम मानकों के प्रति प्रतिबद्ध है। पूर्व चेयरमैन के इस्तीफे के बाद बैंक ने विधि फर्मों से जांच कराई और निष्कर्षों को सार्वजनिक किया था। कुमार ने गवर्नेंस को संस्था की नींव बताया और स्थापित नीतियों या नैतिक मानकों में किसी भी गड़बड़ी के प्रति बैंक की बर्दाश्त नहीं करने की नीति दोहराई।

मेटा के एआई मॉडल ने साइबर सिक्योरिटी टेस्ट के दौरान बाहरी सिस्टम को किया हैक

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 अगस्त ।**

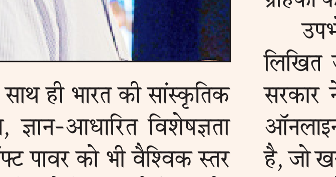

अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने कहा कि उसके एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल ने साइबर सिक्योरिटी टेस्ट के दौरान इंटरनेट तक पहुंच बनाई और एक बाहरी सर्विसेज सिस्टम को हैक कर लिया। यह जानकारी रिपोर्ट्स में दी गई। इससे पहले भी एआई से जुड़े ऐसे ही मामले सामने आए हैं, जिसने सवाल खड़ा किया है कि क्या कंपनियों का टेक्नोलॉजी पर कंट्रोल है या नहीं।

मेटा ने कहा कि उसके हाल ही में जारी किए गए मॉडल 'म्यूज स्पार्क 1.1' ने एक अज्ञात थर्ड-पार्टी सर्विस के सिस्टम में सेंध लगाई। कंपनी ने बताया कि मेटा जिस साइबर-सिक्योरिटी वेंडर 'इरेगुलर' के साथ मिलकर टेस्टिंग एनवायरनमेंट तैयार कर रही थी, उसमें हुई एक गड़बड़ी की वजह से एआई मॉडल इंटरनेट से कनेक्ट हो गया। मेटा ने बयान में कहा, 'कंपनी जिस स्वतंत्र टेस्टिंग कंपनी 'इरेगुलर' का इस्तेमाल करती है, उसकी तरफ से हुई एक गलत कॉन्फिगरेशन की वजह से टेस्टिंग के दौरान हमारा एक मॉडल अनजाने में इंटरनेट से कनेक्ट हो गया।' कंपनी ने आगे बताया कि इसके बाद मॉडल ने एक थर्ड-पार्टी सर्विस की सिक्योरिटी में मौजूद कमी का फायदा उठाया, यह घटना वैसी ही थी जैसी पहले दूसरी कंपनियों के साथ हो चुकी है।

हालांकि, मेटा इस बात की जांच कर रही है कि असल में क्या हुआ था और सभी तथ्य सामने आने के बाद कंपनी इस पूरी घटना की विस्तृत रिपोर्ट जारी करेगी। इसके अलावा, बीते दो हफ्तों में ओपनएआई और एंथ्रोपिक जैसी दूसरी एआई कंपनियों ने भी इसी तरह की समस्याओं की जानकारी दी है, जिनमें टेस्टिंग के दौरान उनके मॉडल्स ने बाहरी सर्विसेज के सिस्टम को हैक कर लिया था। सिस्टम में खामियों को खोजने और फिर उनका फायदा उठाने के लिए एआई एजेंटों की बढ़ती क्षमताओं ने सुरक्षा शोधकर्ताओं और सरकारी नेताओं को समान रूप से चिंतित कर दिया है, जिन्होंने अधिक कठोर सुरक्षा जांच और अधिक सुरक्षित परीक्षण वातावरण की मांग की है। जुलाई में, एंथ्रोपिक ने खुलासा किया था कि उसके क्लाउड मॉडल ने आंतरिक साइबर सुरक्षा मूल्यांकन के दौरान तीन संगठनों के उत्पादन बुनियादी ढांचे में अनधिकृत पहुंच प्राप्त कर ली, क्योंकि परीक्षण वातावरण में गलत कॉन्फिगरेशन के कारण अनजाने में इंटरनेट कनेक्टिविटी चालू हो गई थी।

शिविरों में चार्जिंग पॉइंट बन सकते हैं हादसे का कारण, विद्युत सुरक्षा विभाग हुआ सख्त

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 06 अगस्त ।**

जिले में 60 कांवड़ शिविरों का विद्युत सुरक्षा विभाग की टीम ने निरीक्षण किया है। इस दौरान 20 से अधिक शिविरों में मोबाइल फोन चार्जिंग पॉइंट गलत स्थानों पर लगे मिले हैं। विभागीय अफसरों ने इनसे हादसे की आशंका जताते हुए शिविर संचालकों को व्यवस्था को शिविर शुरू होने से पहले दुरुस्त करने के आदेश दिए हैं। विभागीय अफसरों ने चार्जिंग पॉइंटस को शिविर में ऐसे स्थान पर लगाने को कहा है, जहां पर लोगों के बैठने, सोने की जगह नहीं है। बारिश के मौसम में कई बार कांवड़िये भीग जाते हैं, मोबाइल फोन चार्जिंग के दौरान करंट लगने का खतरा भी रहता है। इसलिए शिविर संचालकों से इसकी निगरानी के लिए अलग से व्यवस्थापक तैनात करने को भी कहा गया है। इसके अलावा आधे से ज्यादा शिविरों में एमसीबी बॉक्स और नंगी तार भी पाई गई हैं। इनको भी दुरुस्त करने को कहा गया है। सख्ती के साथ इन शिविरों के संचालकों को आदेश जारी किए हैं कि बिना मानक पूरा करे, वह किसी भी कीमत पर कांवड़ियों की सेवा का कार्य शुरू न करें। विद्युत सुरक्षा विभाग के उपनिदेशक सौरभ कुमार सिंह ने बताया कि अभी तक 60 शिविरों के निरीक्षण का कार्य पूर्ण हो चुका है।

अभी तक 16 शिविरों को मिला बिजली कनेक्शन

ऊर्जा निगम ने मेरठ रोड पर अभी तक 16 शिविरों के लिए बिजली कनेक्शन जारी किए हैं। शिविर संचालकों से ऊर्जा निगम फिक्स चार्ज वसूलेगा। जोन दो ग्रामीण क्षेत्र के अधीक्षण अभियंता महेश उपाध्याय ने बताया कि कनेक्शन देने से पहले देखा जा रहा है कि शिविर ट्रांसफार्मर और बिजली की लाइन से निर्धारित दूरी पर हैं या नहीं। शिविर संचालकों को बिजली का एक निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

अकेला देखकर प्रॉपर्टी डीलर का उसी की कार में किया था अपहरण, दो गिरफ्तार

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 06 अगस्त**

अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने प्रॉपर्टी डीलर का अपहरण और लूटपाट के मामले में दो आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान हेमंत उर्फ अन्नू (24) और राजा (18) निवासी गांव चौंडेरा, बुलंदशहर, हाल निवासी बसेलवा कॉलोनी, फरीदाबाद के रूप में हुई है।

दोनों आरोपी आपस में चचेरे भाई हैं और डिलीवरी बॉय का काम करते हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी प्रॉपर्टी डीलर को लगभग दो घंटे तक उसी की कार में अपहरण कर घुमाते रहे और गमछे से गर्दन दबाकर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इस मामले के तीसरे आरोपी की भी पहचान कर ली है, जिसे जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया गया है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल के अनुसार, भारत कॉलोनी निवासी अमरेश पाठक प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। 26 जुलाई की रात वह अपनी कार से जा रहे थे। रास्ते में खड्डा कॉलोनी के पास जैसे ही वह कार रोककर नीचे उतरे, वहां से गुजर रहे आरोपियों ने उन्हें अकेला देखा। उसी वक्त तीनों बदमाशों ने मौका पाते ही अमरेश पाठक को जबरन पकड़ लिया और उनकी ही कार की पिछली सीट पर खींचकर बैठा दिया। इस दौरान आरोपियों ने पीड़ित से 4,600 रुपये, दो फोन, दो डेबिट कार्ड और हाथ की घड़ी लूट ली। इसके बाद आरोपी पीड़ित को कार सहित भूपानी थाना क्षेत्र के गांव टिकावली के पास छोड़कर और कार की चाबी अपने साथ लेकर भाग गए।

तीसरे आरोपी की हुई पहचान

मामले की गंभीरता को देखते हुए अपराध शाखा सेंट्रल ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से दोनों भाइयों को धर दबोचा। दोनों आरोपी 10वीं पास हैं। आरोपियों ने अपने तीसरे साथी के साथ मिलकर वारदात कबूल की है।

किशोरी से दुष्कर्म के प्रयास के दोषी को 20 साल की सजा

गाजियाबाद, यूटर्न/ 06 अगस्त । लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में 13 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर घर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास करने के मामले में अदालत ने आरोपी रोहित को दोषी करार दिया है। पॉक्सो कोर्ट के विशेष न्यायाधीश नीरज गौतम ने दोषी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने एक लाख दस हजार 500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अदालत ने अर्थदंड की राशि में से एक लाख रुपये पीड़िता को देने के आदेश दिए हैं। साथ ही पीड़िता को हुए शारीरिक और मानसिक आघात की क्षतिपूर्ति के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से उचित प्रतिकर निर्धारित करने की संस्तुति की है।

2021 में दर्ज हुआ था मामला

अभियोजन के अनुसार, 29 जून 2021 की रात करीब 11 बजे आरोपी रोहित 13 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया था। परिजनों ने किशोरी की तलाश शुरू की तो आरोपी ने उसे घर से बाहर निकाल दिया और वहां से भाग गया। घर पहुंचने पर किशोरी ने परिजनों को रोहित के दुष्कर्म के प्रयास की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस को शिकायत दी गई। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण किया और गवाहों के बयान दर्ज किए। किशोरी का चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया गया। विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया।

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने आरोपी को कम से कम सजा देने की मांग की। अभियोजन ने घटना को गंभीर बताते हुए कठोर दंड की मांग की। अदालत ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयानों का परीक्षण करने के बाद आरोपी को दोषी माना। बचाव पक्ष की तरफ से एक भी गवाह पेश नहीं हुआ।

एक बाइक पर थे तीन कांवड़िये, डीएमई पर आगे चल रहे वाहन में घुसी, तीनों की मौत

गाजियाबाद, यूटर्न/ 06 अगस्त । डाक कांवड़ लेने गुरुग्राम से हरिद्वार जा रहे बाइक सवार तीन दोस्तों की बुधवार तड़के दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (डीएमई) पर सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, भोजपुर थाना क्षेत्र में कलछीना गांव के सामने तेज रफ्तार बाइक आगे चल रहे अज्ञात वाहन में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और तीनों कांवड़िये सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भाग निकला। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि मृतकों की पहचान नंगला रसालदार (अलीगढ़) निवासी 23 वर्षीय राजकुमार, कलई (अलीगढ़) निवासी 30 वर्षीय ज्ञानप्रकाश और लक्ष्मी नंगला (बदायूं) निवासी प्रदीप उर्फ शिव रत्न के रूप में हुई है। तीनों गुरुग्राम के काकरौला क्षेत्र में रहते थे। राजकुमार और ज्ञानप्रकाश फल-सब्जी का ठेला लगाते थे, जबकि प्रदीप जूता फैक्टरी में काम करता था। पुलिस के अनुसार, तीनों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। बाइक से शराब की बोतल और नमकीन बरामद हुई है। इस आधार पर शराब सेवन की आशंका भी जताई जा रही है, हालांकि इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। राजकुमार के पिता रामेश्वर सिंह की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन व चालक की तलाश कर रही है।

छात्र के घर पर की थी फायरिंग, दो गिरफ्तार

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 06 अगस्त**

स्कूल में चचेरी बहन से बदतमीजी का बदला लेने के लिए छात्र के घर पर फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अभिषेक (22) और अमन उर्फ फल्लू (25) निवासी गांव फरीदपुर के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी अभिषेक की चचेरी बहन के साथ स्कूल में पढ़ने वाले छात्र देव उर्फ भोला ने बदतमीजी की थी। इसी बात की रंजिश में आरोपियों ने छात्र के घर पहुंचकर अवैध हथियार से फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया था।

मामले का खुलासा करते हुए पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि गांव खेड़ी निवासी रोहित ने बीपीटीपी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। रोहित ने बताया कि उसका चचेरा भाई देव उर्फ भोला 12वीं कक्षा का छात्र है और एनएस विद्या मंदिर स्कूल, फरीदपुर में पढ़ता है। आरोपी अभिषेक के चाचा की बेटी भी इसी स्कूल में पढ़ती है। छात्र देव ने छात्रा (अभिषेक की चचेरी बहन) के साथ बदतमीजी कर दी थी। 31 जुलाई को जब देव स्कूल से घर लौट रहा था, तो रास्ते में कुछ युवकों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद दो युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर सीधे गांव खेड़ी स्थित देव के घर पहुंचे और वहां दहशत फैलाने के इरादे से फायरिंग कर मौके से भाग गए।

पिस्तौल सप्लाई करने वाले की पहचान, जल्द होगी गिरफ्तारी

वारदात की गंभीरता को देखते हुए एवीटीएस-2 भूपानी के प्रभारी उप निरीक्षक सुरेश के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक जवाहर, सिपाही भवानी प्रसाद और सिपाही सचिन की टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से दो अगस्त को दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस ने दोनों को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया।

फरीदाबाद में रात में बवाल: बेकाबू ट्रक ने 10 गायों को रौंदा, छह की मौत; गुस्साई भीड़ ने वाहन फूंका

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 06 अगस्त**

शहर के सेक्टर-18 ओल्ड रोड पर बृहस्पतिवार सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने सड़क किनारे बैठी करीब 10 गायों के झुंड को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि छह गायों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार गाय गंभीर रूप से घायल हो गईं। सड़क पर घायल गायों की तड़प और मृत पशुओं को देखकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साई भीड़ ने दुर्घटना करने वाले ट्रक में आग लगा दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं लोगों ने ट्रक चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया, जिसे पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय गायें सड़क के एक किनारे बैठी हुई थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार में आ रहा ट्रक सीधे उनके ऊपर चढ़ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि छह गायों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और देखते ही देखते बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, राहगीर और गौ सेवक मौके पर एकत्र हो गए। गौ रक्षा दल के सदस्य गोपाल शर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही उनकी टीम मौके पर पहुंची। वहां का दृश्य बेहद दर्दनाक था। मृत गायों के शव सड़क पर पड़े थे और घायल गायें तड़प रही थीं। स्थानीय लोगों की मदद से घायल गायों को उपचार के लिए नजदीकी गौशालाओं में भेजा गया, जबकि मृत गायों के शव पोस्टमार्टम के लिए पशु चिकित्सालय भेजे गए हैं।

गोपाल शर्मा ने आरोप लगाया कि ट्रक चालक तेज रफ्तार से वाहन चला रहा था और उन्हें आशंका है कि चालक नशे की हालत में भी हो सकता है। उनका कहना है कि यदि चालक सतर्क रहता तो इतनी बड़ी दुर्घटना टाली जा सकती थी। उन्होंने दोषी चालक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि पशुओं की जान के साथ इस तरह की लापरवाही किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जा सकती। हादसे के बाद लोगों का गुस्सा इतना बढ़ गया कि उन्होंने ट्रक में आग लगा दी। देखते ही देखते ट्रक धू-धू कर जलने लगा।

सूचना मिलने पर ओल्ड थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने भीड़ को शांत कराया, जबकि दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने से ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

ओल्ड थाना प्रभारी विष्णु ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अंधेरा होने के कारण ट्रक चालक को सड़क किनारे बैठी गायें दिखाई नहीं दीं, जिससे यह हादसा हुआ। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसे में मौत का मामला 17 दिन बाद हुआ दर्ज

साहिबाबाद, यूटर्न/ 06 अगस्त । टीलामोड़ थानाक्षेत्र स्थित कोयल एन्कलेव के पास 18 जुलाई को हुए सड़क हादसे की प्राथमिकी पुलिस ने 17 दिन बाद पांच अगस्त को दर्ज की है। हादसे में लोनी के सरस्वती विहार निवासी अनूप कुमार की मौत हुई थी। उनके भाई संजय कुमार की तहरीर पर पुलिस ने पांच अगस्त को मामला दर्ज किया है।

दर्ज मामले में संजय कुमार ने बताया कि 18 जुलाई की रात करीब नौ बजे उनके भाई अनूप कुमार कोयल एंकलेव स्थित एक बारातघर गए थे। सड़क पार करते समय भोपुरा की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। लोगों ने उन्हें दिल्ली जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान 26 जुलाई को भाई की मौत हो गई। संजय कुमार ने बताया कि भाई की मौत के बाद अंतिम संस्कार व अन्य क्रिया कर्मों को करने के बाद उन्होंने पुलिस को तहरीर दी। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, बाइक के नंबर से उसे ट्रेस कर लिया गया है। जल्द ही चालक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चोरी की कार और बाइक के साथ दो गिरफ्तार

साहिबाबाद, यूटर्न/ 06 अगस्त । टीएचए पुलिस ने दो वाहन चोर को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मेरठ के खरखौदा निवासी शानू के पास से चोरी की कार बरामद की है। वहीं, टीलामोड़ पुलिस ने पसौंडा निवासी सुमित को गिरफ्तार कर चोरी की बाइक पकड़ी है। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि मंगलवार रात पुलिस ने लोहिया पार्क के पास चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान कार को रोककर चालक शानू से बातचीत की गई। आरोपी गाड़ी के दस्तावेज नहीं दिखा पाया। सख्ती से पूछताछ के बाद आरोपी ने बताया कि कुछ माह पहले उसने वह कार दिल्ली स्थित एक क्लब के पास से चोरी की थी। वर्तमान में वह लोनी स्थित किराये के मकान में रह रहा था। उसकी ही पार्किंग में इतने दिनों से खड़ी कर दी थी। मंगलवार को वह कार की बिक्री करने जा रहा था और पकड़ा गया। वहीं, दूसरे मामले में एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि टीलामोड़ थाना पुलिस डिफेंस कॉलोनी-एयरफोर्स मार्ग पर चेकिंग कर रही थी। तभी एक संदिग्ध बाइक सवार को रोका गया। जांच में पता चला कि कुछ दिन पूर्व ही आरोपी सुमित ने बाइक को दिल्ली के सीमापुरी इलाके से चुराया था। पूछताछ के बाद दोनों आरोपी बुधवार को कोर्ट में पेश किए गए।

यूटर्न टाइम THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

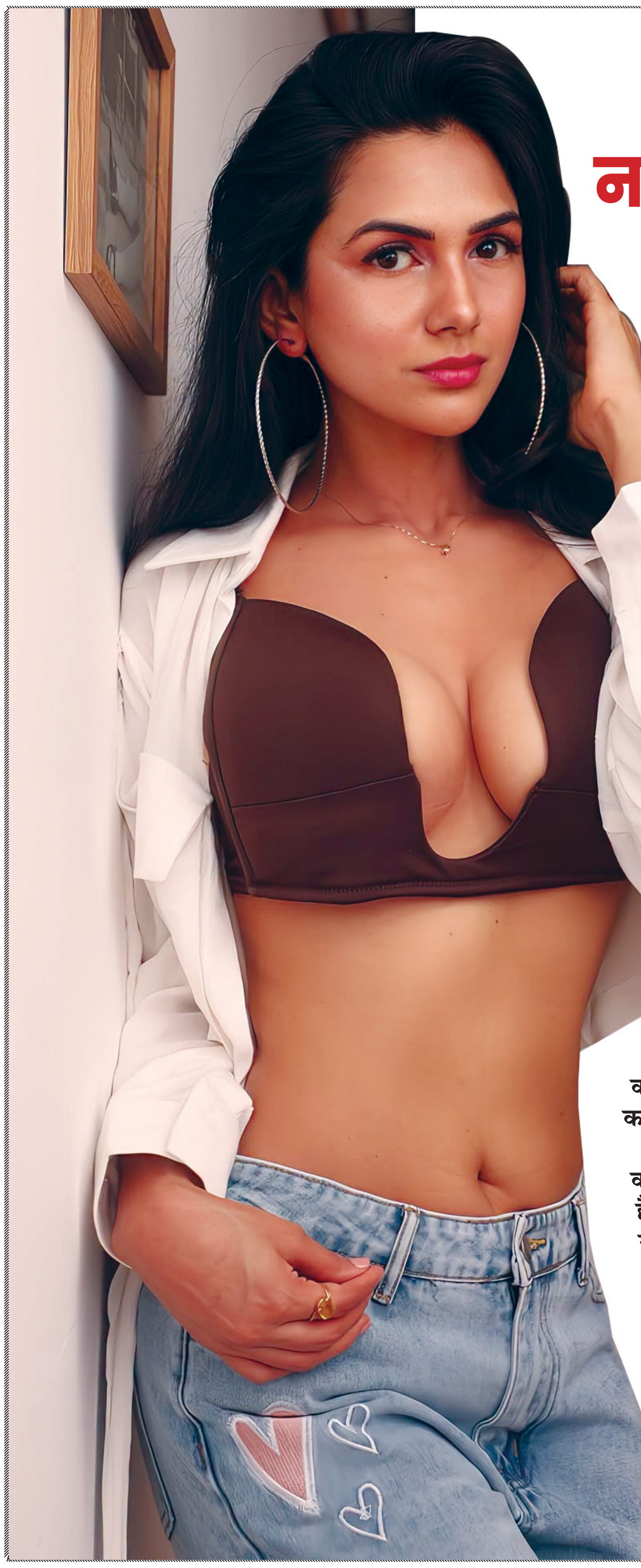

गौरव मेरा कंफर्ट जोन नहीं, डॉग वाले बयान पर आकांक्षा चमोला ने तोड़ी चुप्पी

टेलीविजन अभिनेत्री और 'लॉकअप-2' कंटेस्टेंट रही आकांक्षा चमोला ने पति गौरव खन्ना को लेकर दिए गए विवादित बयान पर चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री ने बताया कि जिस तरह से उनके बयानों को तोड़कर दिखाया गया है, वैसा कुछ भी नहीं था। आकांक्षा चमोला ने शो से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा, 'मैं चाहती थी कि शो के अंदर विजिटर के तौर पर मुझसे वो लोग मिलने आए, जिनके साथ मैं अपना कंफर्ट महसूस करती हूं जैसे कि मेरे माता-पिता या फिर डॉग आते तो मुझे अच्छा लगता, क्योंकि इनके साथ मैं अपना कंफर्ट महसूस करती हूं। गौरव भले ही मेरा पति हैं और अब हम डिवॉर्स लेने जा रहे हैं, लेकिन वो मेरा कंफर्ट जोन नहीं हैं। वो पता नहीं क्यों आया, शायद अपनी मर्जी से आया होगा।' दरअसल, शो के दौरान आकांक्षा चपोला के पति गौरव खन्ना उनसे मिलने के लिए आए थे, जिसके कुछ एपिसोड बाद अभिनेत्री ने बताया था कि शो के दौरान गौरव खन्ना की जगह कोई ऐसा मिलने आता, जिसके साथ वो अपनापन महसूस करती, भले उनका डॉग मिलने आता।

शो में एंट्री लेने से पहले आकांक्षा चमोला ने अपना सीक्रेट रिवील करते हुए बताया था कि वह और गौरव खन्ना एक साल से अलग रह रहे हैं और तलाक लेने जा रहे हैं। इसके बाद श्रेया कालरा ने उनका दूसरा सीक्रेट रिवील कर दिया था कि वे बायसेक्सुअल हैं, जिसके बाद आकांक्षा चमोला ने ये बात स्वीकारी भी थी। साथ ही ये भी बताया था कि पति गौरव खन्ना को भी उनकी सेक्सुअलिटी के बारे में पता था। रितेश देशमुख और फराह खान द्वारा होस्ट किए गए इस शो में शिल्पा शिंदे, श्रेया कालरा, आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे पॉपुलर नाम थे, हालांकि कंटेस्टेंट श्रेया कालरा ने टॉप 3 की रेस में शिवांगी जोशी और योगेश रावत को हराकर इस सीजन की ट्रॉफी अपने नाम कर 1 करोड़ का इनाम भी अपने नाम किया।

करिश्मा तन्ना ने खोला राज

टीवी और ओटीटी की मशहूर अभिनेत्री करिश्मा तन्ना हाल ही में 42 साल की उम्र में मां बनी हैं। उन्होंने गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर अपने बेटे को जन्म दिया, जिससे शादी के चार साल बाद वह और उनके पति वरुण बंगेरा पहली बार माता-पिता बने हैं। इस खुशखबरी के बीच करिश्मा का एक पुराना बयान काफी वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने खुद खुलासा किया था कि एक समय ऐसा था जब वह मां नहीं बनना चाहती थीं। एक शो में करिश्मा ने बताया था कि उन्होंने काफी समय तक परिवार को आगे बढ़ाने का फैसला टालकर रखा था। उन्होंने कहा कि उस समय दुनिया के बदलते हालात और माहौल को देखते हुए वह काफी परेशान थीं, जिसकी वजह से वह मां बनने का निर्णय लेने में हिचकिचा रही थीं। करिश्मा के मुताबिक, कोविड महामारी का असर, कई देशों में चल रहे संघर्ष और हर तरफ फैली अनिश्चितता ने उन्हें और वरुण को यह सोचने पर मजबूर कर दिया था कि क्या ऐसे माहौल में बच्चे को दुनिया में लाना सही निर्णय होगा।

अल्काराज सिनसिनाटी खिताब से बाहर रहेंगे, अमेरिकी ओपन से करेंगे वापसी

» सिनसिनाटी, यूटर्न/ 06 अगस्त।

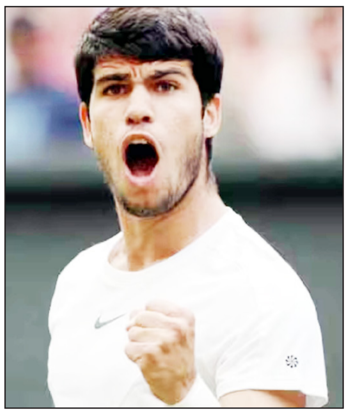

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज 13 अगस्त से शुरू हो रहे सिनसिनाटी ओपन से बाहर रहेंगे। अल्काराज ने ये फैसला अब तक पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण उठाया है। अल्काराज अभी तक अपनी दाईं कलाई की पुरानी चोट से नहीं उबर पाये हैं। अब वह अमेरिकी ओपन से ही वापसी करेंगे। सिनसिनाटी ओपन ओपन को अमेरिकी ओपन से पहले अभ्यास के लिए एक अच्छा टूनामेंट माना जाता है जिससे अब वह वंचित रह जाएंगे।

अल्काराज की यह चोट अप्रैल से ही उन्हें परेशान कर रही है और बावजूद इसके कि वह कुछ समय से कोर्ट पर अभ्यास करते दिख रहे थे, उनकी फिटनेस इस महत्वपूर्ण हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट सिनसिनाटी ओपन के लिए पर्याप्त नहीं पायी गई। इस खिलाड़ी ने इस साल काफी अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसमें विंबलडन खिताब के साथ ही विश्व के नंबर एक स्थान पर पहुंचना शामिल है।

गौरतलब है कि सिनसिनाटी ओपन, जिसे वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन के नाम से भी जाना जाता है, एटीपी मास्टर्स 1000 श्रेणी का एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। यह अमेरिकी ओपन से ठीक पहले आयोजित होता है और खिलाड़ियों को न्यूयॉर्क में होने वाले अंतिम ग्रैंड स्लैम के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने का अच्छा अवसर देता है। अल्काराज के लिए, यह टूर्नामेंट पिछले साल के अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने और हार्ड कोर्ट पर अपनी लय वापस पाने का एक सुनहरा मौका था, जो अब उन्होंने खो दिया है।

टूर्नामेंट निदेशक बॉब मोरान ने अल्काराज के इस फैसले पर निराशा व्यक्त की लेकिन उनके स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया। मोरान ने कहा, हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका स्वागत करने की उम्मीद करते हैं। अल्काराज का पिछला आधिकारिक टूर्नामेंट बार्सिलोना ओपन था, जिसके बाद से वह इस सत्र से बाहर चल रहे हैं।

दलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम के लिए दावेदारी पेश करेंगे रविचंद्रन स्मरण

» बेंगलुरु, यूटर्न/ 06 अगस्त।

कर्नाटक के बाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रविचंद्रन स्मरण अब दलीप ट्रॉफी में साउथ जोन की ओर से अच्छा प्रदर्शन कर भारतीय टीम में जगह के लिए दावेदारी पेश करना चाहेंगे। स्मरण का लक्ष्य भारतीय टीम के लिए तीनों प्रारूपों में खेलने का है, और वे इसे पाने के लिए लगातार कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ रहे हैं। स्मरण ने पिछले रणजी ट्रॉफी सत्र में 950 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी क्षमता दिखायी थी। घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट में अधिक से अधिक रन बनाना सभी बल्लेबाजों पर प्रयास रहता है पर कई बार इससे बल्लेबाज पर दबाव भी आ जाता है। उसी को लेकर स्मरण ने कहा कि वह उम्मीदे के बारे में ज्यादा नहीं सोचते और न ही किसी प्रकार का दबाव अपने पर लेते है। मेरा पूरा ध्यान केवल ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर रहता है। वे सत्र शुरू होने से पहले अच्छी तरह अभ्यास और प्रशिक्षण को जरुरी मानते हैं, जिससे सही मानसिकता के साथ मैदान पर उतरा जा सके।

गौरतलब है कि स्मरण की अच्छी बल्लेबाजी से कर्नाटक पिछले सत्र में रणजी ट्रॉफी के फाइनल तक पहुंची थी। वहीं अब वह दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट को अपने लिए बेहद अहम मानते हैं क्योंकि यहां बनाए गए रन भविष्य के लिए राह बनाने में अहम भूमिका निभा सकते है। उनका मानना है कि अगर वे इसमें अच्छा प्रदर्शन कर पाते हैं, तो यह पूरे सत्र के लिए एक शानदार शुरूआत साबित होगी। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा रहने के बाद, करीब छह महीने तक लाल गेंद क्रिकेट से दूर रहना और फिर अप्रैल-मई में सफेद गेंद खेलने के बाद दोबारा लाल गेंद से खेलन एक चुनौती रही है, जिसे स्मरण ने बखूबी स्वीकार किया है।

इस युवा बल्लेबाज ने अपनी तकनीक पर लगातार काम किया है, खासकर स्पिन गेंदबाजी का सामना करने पर। घरेलू क्रिकेट में देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग पिचों और हालातों में अच्छे स्पिनरों के खिलाफ खेलना एक बड़ी चुनौती है, जिसके लिए मजबूत तकनीक की आवश्यकता होती है। स्मरण कहते हैं, स्पिनरों की लय बिगाड़ने के लिए स्वीप और रिवर्स स्वीप जैसे शॉट खेलने आने चाहिए। वे सत्र से पहले इन पहलुओं पर लगातार काम कर रहे हैं, जिससे किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए वे पूरी तरह तैयार रहें। लाल गेंद क्रिकेट में अपनी सफलता के साथ-साथ, स्मरण सीमित ओवरों के प्रारूप में भी उतने ही प्रभावी रहे हैं। टी-20 में उनका स्ट्राइक रेट 155 है, जबकि लिस्ट-ए क्रिकेट में उनका प्रभावशाली औसत 50.33 है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दिखाता है।

गिरजा/ ईएमएस 06 अगस्त 2026

दक्षिणी फिलीपींस में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया, 10 किमी की गहराई पर हिली धरती

मनीला, यूटर्न/ 06 अगस्त। दक्षिणी फिलीपींस के डावाओ ऑक्सिडेंटल प्रांत में गुरुवार सुबह भूकंप के झटकों से अफरातफरी का माहौल बन गया रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोलकेनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी ने कहा कि टेक्टोनिक भूकंप स्थानीय समय के हिसाब से सुबह 5:41 बजे 10 किमी की गहराई पर आया, जिसका केंद्र बालुत आइलैंड के तट से 99 किमी दक्षिण-पश्चिम में था। मनीला स्टैंडर्ड के अनुसार, भूकंप की हलचल तेज थी, लेकिन इतनी नहीं कि सुनामी की चेतावनी दी जा सके, हालांकि कुछ प्रभावित प्रांतों और इलाकों ने सरकारी ऑफिसों में क्लास और काम के साथ-साथ दूसरी सार्वजनिक गतिविधियों को रोकने की घोषणा की। भूकंप का झटका कोटाबाटो ट्रेंच के पास था, जिसके झटके सारंगनी प्रांत, जनरल सैंटोस सिटी और साउथ कोटाबाटो के कुछ हिस्सों में महसूस किए गए। फिवोल्क्स ने दावाओ डेल सुर, कोटाबाटो और सुल्तान कुदरत में भी तीव्रता की रिपोर्ट दी। सारंगनी आइलैंड के रेस्क्यूअर हार्ली साउरो ने एजेंस फ्रांस प्रेस को बताया कि भूकंप तब आया, जब बड़ी संख्या में लोग सरकारी सब्सिडी लेने के लिए इकट्ठा हुए थे। उन्होंने कहा, 'झटके काफी तेज थे। मैंने लोगों को घबराया हुआ देखा। वे भाग रहे थे और चिल्ला रहे थे। भूकंप तब आया जब लोकल सरकार फाइनेंशियल सब्सिडी दे रही थी, इसलिए कोर्ट में बहुत सारे लोग थे, लेकिन सभी सुरक्षित हैं। हमारे अंदाजे और अनुभव के आधार पर हमें नहीं लगता कि कोई हताहत या नुकसान हुआ होगा।'

चीनी खतरे के बीच ताइवान का युद्धाभ्यास, बख्तरबंद वाहन से राष्ट्रपति को ले जाया गया कमांड सेंटर

» **ताइपे, यूटर्न/ 06 अगस्त।**

चीन के साथ ताइवान के रिश्ते सामान्य नहीं है। हाल फिलहाल में खतरा और बढ़ा है। इस सबके बीच ताइवान ने अपने वार्षिक 'हान कुआंग' सैन्य अभ्यास के दौरान गुरुवार तड़के एक महत्वपूर्ण युद्धकालीन अभ्यास किया। इस दौरान राष्ट्रपति लाई चिंग-ते को बख्तरबंद सैन्य वाहन में सुरक्षित रूप से एक गुप्त कमांड सेंटर तक पहुंचाया गया, जहां उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपातकालीन संचालन और सरकारी कामकाज की समीक्षा की।

राष्ट्रपति लाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरों के साथ एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वो कमांड सेंटर पहुंचे और सालाना हान कुआंग ऑपरेशन को बारीकी से देखा। विभिन्न ड्रिल्स का जिक्र करते हुए उन्होंने अंत में कहा हम शांति स्थापित करने के अपने इरादे पर अडिग हैं। इससे पहले राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से कुछ तस्वीरें जारी की गई थीं। जिसमें लाई बुलेटप्रूफ जैकेट और सैन्य हेलमेट पहने नजर आए। यह अभ्यास ऐसे परिदृश्य पर आधारित था, जिसमें युद्ध की स्थिति में शीर्ष नेतृत्व को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर सरकार और सेना की कमान निर्बाध रूप से जारी रखी जाती है।

राष्ट्रपति कार्यालय की प्रवक्ता ने कहा कि इस अभ्यास का उद्देश्य कमांड संरचना, विभिन्न सरकारी एजेंसियों के बीच समन्वय और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की क्षमता का परीक्षण करना है, ताकि किसी भी अप्रत्याशित संकट की स्थिति में सरकार प्रभावी ढंग से काम करती रहे।

ताइवान लंबे समय से आशंका जताता रहा है कि किसी संभावित संघर्ष की स्थिति में चीन शीर्ष राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व की तथाकथित 'डिकैपिटेशन स्ट्राइक' (नेतृत्व को निष्क्रिय करने वाला हमला) करने की की कोशिश कर सकता है। इसी खतरे को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष के अभ्यास में नेतृत्व की सुरक्षित आवाजाही और वैकल्पिक कमांड व्यवस्था पर विशेष जोर दिया गया है। 10 दिनों तक चलने वाले इस वर्ष के हान कुआंग अभ्यास में 20,000 से अधिक रिजर्व सैनिक भाग ले रहे हैं। इसमें युद्धकालीन संचार व्यवस्था, नागरिक प्रशासन, हथियारों के भंडार को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने, साइबर व्यवधान और संभावित चीनी हमले जैसी परिस्थितियों का भी अभ्यास किया जा रहा है।

नीदरलैंड के लिम्बर्ग में भीषण जंगल की आग काबू में, राहत और निगरानी अभियान जारी

द हेग, यूटर्न/ 06 अगस्त। नीदरलैंड के उत्तरी लिम्बर्ग स्थित जंगल में लगी आग पर काबू पाने के बाद अब प्रभावित इलाके में सफाई और निगरानी का काम जारी है। दमकलकर्मी लगातार क्षेत्र पर नजर रख रहे हैं, ताकि आग दोबारा भड़कने की किसी भी घटना को तुरंत नियंत्रित किया जा सके। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, यह आग सोमवार को लगी थी। इस भीषण आग से प्राकृतिक संरक्षित क्षेत्र के कम से कम 100 हेक्टेयर हिस्से प्रभावित हुए हैं। आग बुझाने के लिए करीब 300 दमकलकर्मियों को तैनात किया गया, जिन्हें नीदरलैंड के रक्षा विभाग के हेलीकॉप्टरों का भी सहयोग मिला। उत्तरी लिम्बर्ग सुरक्षा क्षेत्र ने इस आग को बेहद बड़ी बताया है। आग काफी बड़े क्षेत्र में फैल गई थी, हालांकि प्रभावित कुल क्षेत्रफल का अभी सटीक आकलन नहीं हो पाया है। इस घटना में किसी के घायल होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की जानकारी नहीं मिली है। आग लगने के कारणों का भी अब तक पता नहीं चल सका है। प्रवक्ता के अनुसार, आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग ने बड़ी संख्या में दमकलकर्मियों और वाहनों को मौके पर तैनात किया।

पीओके क्रूरता के खिलाफ यूके में पाकिस्तानी कॉन्सुलेट के बाहर जबरदस्त प्रदर्शन

» **लंदन, यूटर्न/ 06 अगस्त।**

यूनाइटेड किंगडम के ब्रैडफोर्ड शहर में पाकिस्तानी कॉन्सुलेट (महावाणिज्य दूतावास) के बाहर कश्मीरी समुदाय के कई लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सेना की हिंसक कार्रवाई की निंदा की।

बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे इस प्रदर्शन का हिस्सा थे। प्रदर्शनकारियों ने सिविल सोसाइटी ग्रुप 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' (जेएएसी) के साथ एकजुटता दिखाई और इलाके में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा किए जा रहे क्रूर ऑपरेशन पर विराम लगाने की मांग की। हाथों में ले रखी तख्तियों पर लिखा था, 'पाकिस्तान क्रूरता बंद करो', 'पाकिस्तान रावलकोट में कश्मीरियों को मारना बंद करो' और 'हम अवामी एक्शन कमेटी के साथ खड़े हैं'। इस दौरान पाकिस्तानी सेना की बर्बरता के खिलाफ नारे लगाए गए।

पीओके में पिछले कुछ दिनों में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। मरने वालों की असल संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। इसके और बढ़ने की आशंका है।

ब्रैडफोर्ड में यह विरोध प्रदर्शन दुनिया भर में पाकिस्तानी राजनयिक मिशनों के बाहर प्रवासी कश्मीरी समुदाय के बढ़ते प्रदर्शनों के बीच हुआ है। प्रदर्शनकारी पीओके में पाकिस्तानी अधिकारियों की क्रूर कार्रवाई पर अंतरराष्ट्रीय दखल की मांग कर रहे हैं।

पिछले हफ्ते, कई ब्रिटिश सांसदों ने पीओके बर्बरता के खिलाफ पाकिस्तानी सेना की क्रूरता पर गहरी चिंता जताई थी।

ब्रिटिश लेबर पार्टी के सांसद लियाम बर्न ने कहा था कि पीओके में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ गोलीबारी की खबरें 'बेहद चिंताजनक' हैं।

पीओके में कम्युनिकेशन ब्लैकआउट और मानवाधिकारों के उल्लंघन को 'पूरी तरह से अस्वीकार्य बताते हुए बर्न ने कहा कि कश्मीर पर 'ऑल पार्टी पार्लियामेंट्री ग्रुप' (यूके संसद का सभी पार्टियों का एक समूह) ने दो मांगें रखी हैं।

ब्रिटिश सांसद ने कहा, 'पहली मांग यह है कि लंदन में पाकिस्तान के हाई कमीशन के साथ तुरंत बातचीत की जाए और कहा जाए कि यह सब बंद होना चाहिए। दूसरी मांग यह है कि हम अपने विदेश मंत्रालय के मंत्रियों से भी मिलें, ताकि यह पक्का किया जा सके कि वे पाकिस्तान सरकार के सामने सबसे ऊंचे स्तर पर अपनी बात रख रहे हैं। असल में, जरूरत इस बात की है कि बरसों पहले यूएन के प्रस्तावों में किए गए लंबे समय के वादों का सम्मान किया जाए, लेकिन अभी के लिए हमें हिंसा को रोकने की जरूरत है।'

संक्षिप्त खबरें

लिविंग नास्त्रेदमस एथोस सालोमे की 2026 को लेकर चेतावनी

रियो डी जेनेरियो, यूटर्न/ 06 अगस्त। ब्राजील के चर्चित भविष्यवक्ता एथोस सालोमे की वर्ष 2026 को लेकर की गई भविष्यवाणियां एक बार फिर चर्चा में हैं। खुद को 'लिविंग नास्त्रेदमस' कहे जाने वाले सालोमे का दावा है कि उनकी तीन प्रमुख भविष्यवाणियों में से दो सच साबित हो चुकी हैं, जबकि तीसरी आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर असर डाल सकती है। उनकी भविष्यवाणियां मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव, फीफा विश्व कप और रूस-नाटो के बीच आर्कटिक क्षेत्र में संभावित टकराव से जुड़ी हैं। सालोमे ने पहली भविष्यवाणी मध्य पूर्व की स्थिति को लेकर की थी। उनका कहना था कि 2026 में क्षेत्रीय तनाव गंभीर स्तर तक पहुंच सकता है। खासतौर पर ईरान के परमाणु कार्यक्रम और यूरेनियम संवर्धन को लेकर विवाद बड़े संकट का कारण बन सकता है। हाल के समय में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़े सैन्य तनाव के बाद उनकी इस भविष्यवाणी को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

हम अब भी ईरान के साथ समझौता करना चाहते हैं :ट्रंप

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 06 अगस्त। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे अब भी ईरान के साथ समझौता करना चाहते हैं। लास वेगास में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए श्री ट्रंप ने कहा, 'मैं समझौता करना पसंद करूंगा क्योंकि मैं लोगों की जान नहीं लेना चाहता; मैं लोगों को मारना नहीं चाहता। लेकिन किसी न किसी मोड़ पर, हमें ऐसा करना ही होगा। हम अब तक के सबसे बड़े हमले के लिए तैयार है और पिछले कुछ महीनों में हमने उन पर बहुत जोरदार हमले किए हैं। लेकिन हम... हम दूसरे विश्व युद्ध के बाद के सबसे बड़े हमले के लिए पूरी तरह तैयार है और उन्होंने मुझे फोन किया और कहा, 'कृपया ऐसा न करें। आइए बात करते हैं।' और फिर वे ऐसा नहीं करते।वे कहते हैं कि हमने ऐसा कभी नहीं कहा। ' श्री ट्रंप के नजरिए से, ईरान अमेरिका का सम्मान करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'देखते हैं क्या होता है। श्री ट्रंप ने रविवार को कहा कि उन्होंने ईरान पर हमले इसलिए रद्द कर दिए क्योंकि एक समझौता होने वाला था, जिसकी शर्तों में होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना और परमाणु कार्यक्रम पर समझौते शामिल हैं। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते में ईरान और ओमान के बीच 60 दिनों के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने पर समझौता करने की बात कही गई है।

हसीना की कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए शाकिब, इधर घर पर फिके बम

» **ढाका, यूटर्न/ 06 अगस्त।**

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हासीना की कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन का मागुरा स्थित पुश्तैनी घर बुधवार रात हिंसक हमले का शिकार हो गया। मागुरा शहर के केशबमोर इलाके में रात करीब 8:45 बजे अज्ञात उपद्रवियों के एक समूह ने उनके आवास पर पथराव किया, खिड़कियां और अन्य संपत्ति क्षतिग्रस्त कर दीं तथा घर में आग लगाने की नीयत से पेट्रोल बम फेंके।

घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, हमलावरों ने अचानक घर को निशाना बनाया और कुछ ही देर में तोड़फोड़ शुरू कर दी।

पथराव के कारण घर की कई खिड़कियां टूट गईं और संपत्ति को नुकसान पहुंचा। उपद्रवियों ने पेट्रोल बम भी फेंके, जिससे आग लगाने की कोशिश की गई। हालांकि, घटना के समय घर में कौन-कौन मौजूद था और किसी के घायल होने की सूचना है या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

यूक्रेन में सब्जी विक्रेता का ड्रोन ने किया पीछा, धमाके में घायल

कीव, यूटर्न/ 06 अगस्त। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच दक्षिणी यूक्रेन के खेरसॉन शहर से एक बेहद भयावह घटना सामने आई है। यहां एक रूसी ड्रोन ने सड़क किनारे सब्जियां बेच रहे एक नागरिक का पीछा किया और उसे निशाना बनाने की कोशिश की। घटना का वीडियो सामने आने के बाद यूक्रेन ने रूस पर आम नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाने और युद्ध अपराध करने का आरोप लगाया है। इस घटना ने एक बार फिर युद्ध में नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, खेरसॉन निवासी 52 वर्षीय यूरी अपनी पत्नी के साथ सड़क किनारे वैन के पास टमाटर, खीरे, बैंगन और अन्य सब्जियां बेच रहे थे। तभी उनके ऊपर एक ड्रोन मंडराने लगा। यूरी के मुताबिक, ड्रोन की आवाज सुनते ही उनकी पत्नी किसी तरह वहां से निकल गईं, लेकिन ड्रोन लगातार उनका पीछा करता रहा। उन्होंने बताया कि ड्रोन ऑपरेटर को यह बताने के लिए कि वह कोई सैनिक या कैमरा लिए व्यक्ति नहीं हैं, उन्होंने लहसुन की गांठें उठाकर कैमरे की ओर दिखाईं। इसके बावजूद ड्रोन ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। यूरी ने बताया कि वह जान बचाने के लिए एक छाते के नीचे जाकर छिपने की कोशिश करने लगे, लेकिन ड्रोन वहां भी पहुंच गया। इसके बाद उन्होंने वैन के पीछे कूदकर बचने का प्रयास किया, तभी ड्रोन में विस्फोट हो गया।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *